MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-281

SIR के खिलाफ इंडिया गठबंधन के 11 नेताओं ने दायर की

सुप्रीम याचिका

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के 11 नेताओं ने एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सोमवार को दिनभर चले राजनीतिक घटनाक्रम और विरोध-प्रदर्शन के बीच दाखिल इस याचिका में चुनाव आयोग के एसआईआर कराने के फैसले को अवैध घोषित करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं ने इस पूरी प्रक्रिया की कानूनी वैधता, चुनाव आयोग की निर्णय लेने की प्रक्रिया, मतदाता सूची से नाम हटाने के तरीके और आयोग के डिजिटल डेटाबेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि एसआईआर लागू करने के दौरान चुनाव आयोग ने कहीं अपनी निर्धारित शक्तियों का इस्तेमाल उनके मूल उद्देश्य से हटकर तो नहीं किया। कानूनी भाषा में इसे शक्तियों का छद्म प्रयोग कहा जाता है। याचिकाकर्ताओं ने इस मामले की स्वतंत्र जांच कराने और सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का अनुरोध भी किया है।

याचिका में यह भी सवाल उठाया गया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना महत्वपूर्ण निर्णय लिए और क्या एसआईआर की प्रक्रिया लागू करते समय सभी कानूनी प्रावधानों का पालन किया गया। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और उसकी संवैधानिक शक्तियों के इस्तेमाल की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है।

मुख्य चुनाव आयुक्त की निर्णय प्रक्रिया पर सवाल

याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी और सहमति के बिना कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके समर्थन में 23 सितंबर 2026 को प्रकाशित इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 10 महीनों के दौरान कम से कम 14 अवसरों पर दोनों चुनाव आयुक्तों ने मतदाताओं के पंजीकरण, नाम हटाने, दोबारा नाम जोड़ने और आंकड़ों तक पहुंच से संबंधित मामलों में आपत्तियां जताई थीं। हालांकि, चुनाव आयोग का कहना है कि निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए और विचारों में अंतर होना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है।

देशभर में एसआईआर लागू करने की मंजूरी पर सवाल

याचिका में 24 जून 2025 के आदेश को भी चुनौती दी गई है। 28 जुलाई 2025 को दाखिल सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदन में देशभर में एसआईआर लागू करने की मंजूरी से संबंधित फाइलें मांगी गई थीं। आरोप है कि आयोग ने केवल 24 जून का आदेश उपलब्ध कराया। बाद में प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने दर्ज किया कि उस समय तक देशभर में एसआईआर शुरू करने का कोई निर्णय नहीं हुआ था, जबकि आदेश में पूरे देश में एसआईआर कराने का उल्लेख था। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने 26 सितंबर 2026 की प्रेस विज्ञप्ति में सर्वसम्मति से मंजूरी दिए जाने का दावा किया। याचिकाकर्ताओं ने इस मामले की मूल फाइलें अदालत में मंगाने की मांग की है।

टी.एन. शेषन मामले के फैसले का हवाला

याचिका में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के वर्ष 1995 के टी.एन. शेषन बनाम भारत संघ मामले के फैसले का उल्लेख किया गया है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, इस फैसले के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को अन्य चुनाव आयुक्तों की तुलना में अतिरिक्त निर्णय लेने की शक्ति प्राप्त नहीं है। वर्ष 2023 के कानून की धारा 18 का हवाला देते हुए कहा गया है कि जहां संभव हो, निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए और मतभेद होने पर बहुमत के आधार पर फैसला किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि सामूहिक रूप से निहित शक्तियों का एकतरफा इस्तेमाल ▶8पर

याचिका दाखिल करने वाले 11 नेता

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका में राहुल गांधी प्रमुख याचिकाकर्ता हैं। उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विभिन्न विपक्षी दलों के 10 अन्य नेताओं के नाम शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं की सूची इस प्रकार है

1. राहुल गांधी -कांग्रेस, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं प्रमुख याचिकाकर्ता।
2. मल्लिकार्जुन खड़गे -कांग्रेस अध्यक्ष।
3. सौगत रॉय -तृणमूल कांग्रेस।
4. अखिलेश यादव -समाजवादी पार्टी।
5. तेजस्वी प्रसाद यादव -राष्ट्रीय जनता दल।
6. संजय राउत -शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)।
7. एम.ए. बेबी -भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)।
8. डी. राजा -भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी।
9. महुआ माजी -झारखंड मुक्ति मोर्चा।
10. सुप्रिया सुले -राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट)।
11. ई.टी. मोहम्मद बशीर -इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग।

आंदोलन को विदेशों से मिल रही है फंडिंग : साल्वे

पिछले 6-8 महीनों से दिख रहा है स्पष्ट पैटर्न

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे ने देश में चल रहे आंदोलन के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि आंदोलन को विदेशों से आर्थिक मदद मिल रही है और भारत में नेपाल, बांग्लादेश तथा श्रीलंका जैसे हालात पैदा करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, ये साल्वे के आरोप हैं और इनके समर्थन में स्वतंत्र रूप से सत्यापित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

लंदन में एक बातचीत के दौरान हरीश साल्वे ने कहा, ये प्रयास बाहर से फंडेड है। मैं तो आरोप लगा रहा हूं कि ये बाहर से फंडेड है, ये बाहर से मोटिवेटेड है। उन्होंने आशंका जताई कि भारत में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए बाहरी ताकतें सक्रिय हो सकती हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता का भी किया उल्लेख

साल्वे ने विदेशी शक्तियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए अमेरिका के साथ भारत के संबंधों और व्यापार वार्ताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत से नाखुश है। उनके अनुसार, भारत की वित्त मंत्री ने भी विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हो रही प्रगति और कनाडा के साथ आगे बढ़ रही वार्ता का जिक्र किया था। अमेरिका के संबंध में पूछे जाने पर वित्त मंत्री ने संकेत दिया था कि बातचीत एक स्तर पर आकर अटक गई है।

साल्वे ने नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रमों का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि इन देशों में अस्थिरता के पीछे कौन था। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाने और नई सरकार के गठन के पीछे भी विदेशी ताकतों की भूमिका रही। उनका दावा है कि इसी तरह की परिस्थितियां भारत में पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। इन घटनाओं के पीछे विदेशी हस्तक्षेप संबंधी उनके दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

सीजेपी से जुड़े लोगों की भूमिका पर भी उठाए सवाल

हरीश साल्वे ने सीजेपी से जुड़े कुछ लोगों की पृष्ठभूमि और गतिविधियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दीपके जी और सौरव दास का उल्लेख करते हुए पूछा कि ये लोग कौन हैं और अचानक प्रमुख चेहरों के रूप में कैसे सामने आए। उन्होंने एक व्यक्ति को यूट्यूबर बताते हुए उसकी राष्ट्रीयता और आर्थिक संसाधनों को लेकर भी सवाल किए।

साल्वे ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस बात में कोई संदेह नहीं है कि केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। उनके अनुसार, सरकार अपने रुख पर कायम है और कुछ बाहरी ताकतें उसे हटाकर अपने अनुकूल लोगों को सत्ता में लाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले छह से आठ महीनों के दौरान उन्हें एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई दे रहा है और ऐसी परिस्थितियों से निपटना सरकार का दायित्व है।

हरीश साल्वे देश के प्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ताओं में शामिल हैं। उन्होंने वर्ष 1999 से 2002 तक भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य किया। पाकिस्तान में बंद पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव के मामले में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भारत का पक्ष रखा था। इसके अलावा, वह वोडाफोन कर विवाद सहित कई महत्वपूर्ण कानूनी मामलों में पैरवी कर चुके हैं। वर्ष 2015 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

साल्वे के हालिया बयान में विदेशी हस्तक्षेप, आंदोलन की फंडिंग और भारत में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कथित कोशिशों को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित वित्तीय लेन-देन, संगठनों की गतिविधियों और अन्य साक्ष्यों की स्वतंत्र जांच आवश्यक होगी।

डियर सीजेआई...अभी रिज़ाइन दीजिए

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा सोमवार को दिल्ली में मार्च निकालकर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को ज्ञापन सौंपने की योजना के बीच न्यायपालिका को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। रविवार, 11 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद केरल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से सीजेआई पर निशाना साधा। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद इस पोस्ट को हटा दिया गया।

केरल कांग्रेस ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, डियर सूर्यकांत, अगर कानून-व्यवस्था आपका क्षेत्र नहीं है, तो अभी इस्तीफा दे दीजिए। हम आपकी जगह ऐसे व्यक्ति को ढूंढ लेंगे, जो इसे संभाल सके। इस टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और कानूनी हलकों में प्रतिक्रिया सामने आई।

केरल कांग्रेस की पोस्ट पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि वह पहले भी यह बात कह चुके हैं कि कांग्रेस का अगला निशाना न्यायपालिका है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश की सभी संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करना चाहती है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सभी 'भारत-विरोधी गिरोह' एकजुट हो रहे हैं और देशभक्त भारतीय भी एकजुट होंगे। उनके बयान से इस मुद्दे पर कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और तेज हो गए।

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के इस्तीफे की मांग को लेकर सोशल मीडिया पर की जा रही टिप्पणियों की निंदा की है। एसोसिएशन ने कहा कि इस तरह के बयान न्यायपालिका की गरिमा और संस्थागत मजबूती को कमजोर करते हैं। मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के साथ न्यायपालिका की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सार्वजनिक बयानबाजी के मुद्दे तक पहुंच गया है।

जंतर-मंतर नहीं रहा धरना केंद्र

रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड में होंगे आंदोलन

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में धरना-प्रदर्शनों को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। गृह मंत्रालय के निर्णय और एक समिति की सिफारिश के आधार पर जंतर-मंतर को निर्धारित विरोध-प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने का फैसला लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए प्रदर्शन आयोजित करने के लिए तीन नए स्थान चुने हैं। इनमें रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी ग्राउंड शामिल हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इन स्थानों पर धरना-प्रदर्शन आयोजित करने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अलग से जारी की जाएगी। यह व्यवस्था 28 अप्रैल 2022 को जारी आदेश में आंशिक संशोधन के रूप में की गई है।

गृह मंत्रालय ने नागरिक अधिकारों और अन्य मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले लोगों को प्रदर्शन के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक समिति गठित की थी। समिति की सिफारिश पर जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल के दर्जे से हटाने का निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड में धरना-प्रदर्शन तथा आंदोलन आयोजित किए जा सकेंगे। जंतर-मंतर संसद भवन और केंद्र सरकार के प्रमुख कार्यालयों के नजदीक होने के कारण लंबे समय से विरोध दर्ज कराने का महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक स्थल रहा है। हालांकि, यहां समय-समय पर भीड़, यातायात, शोर और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं के कारण प्रतिबंध भी लगाए जाते रहे हैं। सरकार के इस फैसले पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के निर्धारित स्थल के रूप में हटा दिया गया है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 22^0

यमन बन सकता है 'मिस्र का वियतनाम'!

सऊदी अरब की मदद करना पाकिस्तान को पड़ेगा भारी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस कहानी की शुरुआत वर्ष 1967 से होती है, जब मिस्र के तत्कालीन राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर ने काहिरा में अमेरिकी राजदूत के सामने यमन में सैन्य हस्तक्षेप के अपने अनुभव का उल्लेख किया था। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि शुरुआत में उन्होंने यमन में एक कंपनी यानी लगभग 200 सैनिक भेजे थे, लेकिन बाद में वहां 70,000 सैनिक भेजने पड़े।

मिस्र ने यमन के गृहयुद्ध में सऊदी अरब समर्थित ताकतों के खिलाफ लड़ने के लिए लड़ाकू विमान, टैंक और अपनी सेना का लगभग एक-तिहाई हिस्सा तैनात किया था। इसके बावजूद उसे निर्णायक सफलता नहीं मिली। उत्तरी यमन के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय गुरिल्ला लड़ाकों ने मिस्र की सेना को लंबे समय तक उलझाए रखा।

करीब छह दशक बाद पाकिस्तान के सामने भी ऐसी ही स्थिति पैदा होने की आशंका जताई जा रही है। सऊदी अरब को इजरायल और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनावों के बीच हूती विद्रोहियों के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, पाकिस्तान की संभावित सैन्य भूमिका और यमन के संघर्ष में उसकी भागीदारी की वास्तविक सीमा की पुष्टि आवश्यक है।

हूती विद्रोहियों से सऊदी अरब को चुनौती

'मिस्र का वियतनाम' कहे जाने का आशय ऐसी लड़ाई से है, जिसमें एक शक्तिशाली सेना लंबे समय तक संघर्ष में फंस जाती है, लेकिन अपने विरोधियों को निर्णायक रूप से पराजित नहीं कर पाती। अमेरिका को वियतनाम युद्ध में इसी तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। वर्ष 1965 के बाद अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप बढ़ने के बावजूद वियतनामी गुरिल्ला लड़ाकों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल नहीं हुई और अंततः अमेरिका को पीछे हटना पड़ा।

यमन में हूती विद्रोही भी मिसाइलों, ड्रोन और असममित युद्ध की रणनीति के जरिए अपने से अधिक ▶8पर

छह राज्यों में नए राज्यपाल नियुक्त

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छह राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के अनुसार, इन नियुक्तियों का प्रभाव संबंधित राज्यपालों के पदभार ग्रहण करने की तारीख से होगा। नई नियुक्तियों के तहत सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को केरल का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा ओडिशा, कर्नाटक, उत्तराखंड और सिक्किम में भी नए राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और राजस्थान से पूर्व राज्यसभा सांसद ओम प्रकाश माथुर को जुलाई 2024 में सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। अब उन्हें केरल का राज्यपाल बनाया गया है। माथुर भाजपा संगठन में लंबे समय तक सक्रिय रहे हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में उनकी गिनती होती है। वहीं, राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह जनवरी 2025 से केरल के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे पहले वह गोवा विधानसभा के अध्यक्ष तथा बिहार और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रह चुके हैं। आर.एन. रवि के मार्च में पश्चिम बंगाल स्थानांतरित होने के बाद आर्लेकर तमिलनाडु का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे। अब उन्हें तमिलनाडु का पूर्णकालिक राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

ओडिशा, कर्नाटक और उत्तराखंड में भी बदलाव

ब्रज मोहन राम को ओडिशा की जिम्मेदारी: झारखंड के आदिवासी नेता और पूर्व सांसद ब्रज मोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राज्यपाल पद रिक्त होने के बाद यह नियुक्ति की गई है। ▶8पर

ब्लैक होल अपनी मेजबान गैलेक्सियों की तुलना में होते हैं बेहद छोटे : शोध

वाशिंगटन

अंतरिक्ष में पाए जाने वाले सुपरमैसिव ब्लैक होल आकार में गैलेक्सियों की तुलना में बेहद छोटे होते हैं। अंतरिक्ष में ये छोटे दिखने वाले ब्लैक होल पूरी गैलेक्सी के भविष्य को बदल सकते है। अब उस प्रक्रिया को समझने की दिशा में वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की है, जिसके जरिए ये ब्लैक होल अपनी ही गैलेक्सी में नए तारों के निर्माण की प्रक्रिया को रोक देते हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसमें ब्लैक होल से निकलने वाले बेहद शक्तिशाली प्लाज्मा जेट्स की अहम भूमिका होती है। बड़ी गैलेक्सियां गैस और धूल के विशाल भंडार से घिरी होती हैं। इसे वैज्ञानिक सरकमगैलेक्टिक मीडियम कहते हैं। यही गैस और धूल नए तारों के निर्माण के लिए जरूरी कच्चा माल उपलब्ध कराती है। जब यह पदार्थ गैलेक्सी के भीतर पहुंचता है, ठंडा होता है और पर्याप्त परिस्थितियां बनती हैं, तब इससे नए तारों का जन्म होता है। लेकिन सुपरमैसिव ब्लैक होल के सक्रिय होने पर यह प्रक्रिया बाधित हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्लैक होल अपने आसपास मौजूद पदार्थ को निगलते समय भारी मात्रा में ऊर्जा छोड़ सकते हैं। इसी गतिविधि से प्रकाश की गति के करीब तेज गति से प्लाज्मा के जेट अंतरिक्ष में दूर तक फैलते हैं। ये जेट केवल ब्लैक होल के आसपास के क्षेत्र तक सीमित नहीं रहते, बल्कि गैलेक्सी के आसपास मौजूद गैस के विशाल क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं। प्लाज्मा जेट्स से निकलने वाली ऊर्जा आसपास की गैस को गर्म कर देती है और उसकी भौतिक परिस्थितियों को बदल देती है। गर्म गैस के लिए ठंडा होकर गैलेक्सी के भीतर पहुंचना और तारों के निर्माण में इस्तेमाल होना कठिन हो जाता है। इस तरह ब्लैक होल सीधे तौर पर तारों को नष्ट करने के बजाय उनके निर्माण के लिए जरूरी ईंधन की उपलब्धता को प्रभावित करते हैं। इस प्रक्रिया का असर लंबे समय में गैलेक्सी के विकास पर पड़ता है। जब नए तारों के बनने की दर लगातार कम होती जाती है तो गैलेक्सी धीरे-धीरे अपनी सक्रियता खोने लगती है। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि विशाल गैलेक्सियों में उपलब्ध गैस होने के बावजूद नए तारों का निर्माण कई बार इतना कम क्यों हो जाता है। इस नई स्टडी में ब्लैक होल से निकलने वाले जेट्स और गैलेक्सी के आसपास मौजूद गैस के बीच संबंध पर विशेष ध्यान दिया गया है। शोधकर्ताओं का निष्कर्ष है कि छोटे क्षेत्र में मौजूद सुपरमैसिव ब्लैक होल भी इतनी ऊर्जा पैदा कर सकते हैं कि उसका प्रभाव पूरी गैलेक्सी के पैमाने पर दिखाई दे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में टैक्स पेयर्स के धन से तैयार ट्रंप के विज्ञापन दिखाने पर रोक

न्यूयार्क (अमेरिका)। देश में हो रहे मध्यवाधि चुनाव से पहले ट्रंप प्रशासन को कानूनी झटका लगा है। डिस्ट्रिक्ट जज जेनिफर एल रोचोन ने राष्ट्रपति के राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने के लिए टैक्स पेयर्स के लाखों डालर से बने टीवी विज्ञापनों को रद्द करने का आदेश दिया। रोचोन ने एक अस्थायी रोक का आदेश जारी किया। इसमें ट्रंप प्रशासन को बचे हुए सभी विज्ञापनों को रद्द करने का निर्देश दिया गया। एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, आदेश में कहा गया कि प्रशासन तुरंत उन विज्ञापनों को रोक दे जिनमें राष्ट्रपति ट्रंप दिख रहे हैं। यह फैसला नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव से कुछ सप्ताह पहले आया है। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के टैक्स पेयर्स के पैसे के इस्तेमाल को चुनौती देने वाले कई मुकदमे कोर्ट विचाराधीन हैं। यह फैसला वाशिंगटन वाच डाग कामन काज और गैरलाभकारी संस्था डेमोक्रेसी फारवर्ड व अन्य की याचिका पर आया है। ऐसा ही मुकदमा डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने वाशिंगटन की संघीय अदालत में दायर किया है। न्यूयार्क अदालत के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने कहा कि इन विज्ञापनों में जनसेवा की भावना झलकती है। इनका मकसद कल्याणकारी योजनाओं की सूचना देना है। पूर्व में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन ने भी सरकारी नीतियों को बढ़ावा देने के लिए टैक्सपेयर्स के पैसे से विज्ञापनों का इस्तेमाल किया है। हालांकि मुकदमा दायर होने के बाद ट्रंप ने विज्ञापनों का खर्च खुद वहन का वादा किया। व्हाइट हाउस ने कहा कि विज्ञापनों पर खर्च जा चुके लाखों डालर सरकार को वापस करने की कोई योजना नहीं है।

ओमान में क्रूड आयल टैंकर पर ड्रोन हमला, दो भारतीय नाविक लापता

मस्कट (ओमान)/तेहरान (ईरान)। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने ओमान के सोहार के पास क्रूड आयल टैंकर पर ड्रोन हमले की पुष्टि की है। एजेंसी के अनुसार, ओमान के सोहार एंकरेज के पास एक क्रूड आयल टैंकर पर ड्रोन से हमला हुआ है। इस हमले के बाद से दो भारतीय नाविक लापता हैं। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूकेएमटीओ ने अपडेट में कहा कि टैंकर पर बिना क्रू वाले हवाई वाहन (ड्रोन) से हमला हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने क्रू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के बारे में भी तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। अमेरिका ने ईरान की कुछ शर्तें मानी : इस बीच ईरान ईरानी अधिकारी मोहसेन रेजाई ने एक्स पर कहा कि अमेरिका ने संघर्ष खत्म करने के लिए तेहरान की सात शर्तों में से कुछ को मान लिया है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी रेजाई ने कहा, अमेरिका ईरान की सात शर्तों में से कुछ पर सहमत हो गया है, लेकिन हम उसके जवाब को नाकाफी मानते हैं। रेजाई ने वाशिंगटन पर होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) को फिर से न खोलने और तस्करी का सहारा लेने का आरोप भी लगाया।

रूसी लैब में कर्मचारी की मौत, 5500 नमूनों की जांच के बाद भी सस्पेंस बरकरार

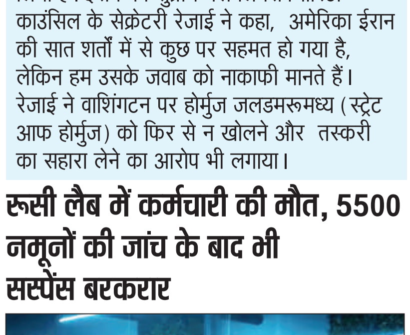

न्यूयार्क। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि प्लेग और अन्य बीमारियों संबंधी शोध पर ध्यान केंद्रित करने वाली रूस की प्रयोगशाला में कार्यरत एक महिला कर्मचारी की मौत का कारण अब भी पता नहीं चल पाया है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने शुरुआती अपुष्ट खबरों का हवाला देते हुए कहा कि कर्मचारी की मौत संभवत: न्यूमोनिक प्लेग से हुई है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसके मामले मध्य युग में ब्लैक डेथ महामारी से जुड़े ब्यूबोनिक प्लेग की तुलना में कम पाए जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूएचओ ने इस महीने की शुरुआत में मामला सामने आने के बाद जारी अपनी पहली विस्तृत रिपोर्ट में मामले की जांच जारी रखने का आह्वान किया है। संगठन ने कहा कि रूस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने 5,500 से ज्यादा नमूनों की जांच की हैं, लेकिन इनमें किसी खतरनाक रोगजनक सूक्ष्मजीव की मौजूदगी का कोई प्रमाण नहीं मिला। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि स्थिति का अधिक सटीक आकलन करने के लिए चिकित्सकीय जांच, महामारी विज्ञान और प्रयोगशाला से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी की जरूरत है। साथ ही, यह पुष्टि होना भी जरूरी है कि प्रयोगशाला में कार्यरत कर्मचारी की मौत किस बीमारी से हुई थी। डब्ल्यूएचओ ने एक कथित दूसरे मामले का भी उल्लेख किया है। संगठन ने इससे पहले एसोसिएटेड प्रेस को ईमेल के जरिए बताया था कि दूसरे मामले की जानकारी ब्रिटेन और सर्बिया के दो समाचार पत्रों से मिली थी।

अमेरिका-ईरान में बढ़ा तनाव, सीमा पर 50 लड़ाकू यूनिट्स तैनात

ईरानी मिसाइलों को मिली 1000 किमी पार वाली धार, अमेरिका टेंशन में

तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव एक बार फिर गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही 3 नवंबर तक ईरान पर सीधे हमला न करने का फैसला किया हो, लेकिन वे ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने पर अड़े हैं। दूसरी ओर ईरान ने साफ कह दिया है कि वह अपना इनरिच्ड यूरेनियम नहीं छोड़ेगा। इस गतिरोध के बीच अमेरिका द्वारा ईरान की धरती पर सीधे सैनिक उतारने की आशंका बढ़ गई है, जिससे दोनों देशों के बीच नए सिरे से संघर्ष तेज होने की संभावना है।

इस संभावित खतरे का सामना करने के लिए ईरान ने अपनी सीमाओं पर 50 से भी ज्यादा खतरनाक लड़ाकू इकाइयों की तैनाती कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान को डर है कि अमेरिकी सेना चार प्रमुख स्थानों से घुसपैठ कर सकती है और इन्हीं संवेदनशील ठिकानों पर ईरान ने अपनी सुरक्षा मजबूत की है। इतना ही नहीं अपनी मिसाइलों को भी नई धार दे रहा है, ताकि किसी भी संभावित हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमी निया ने दो टूक शब्दों में कहा है कि अमेरिका के साथ पिछले संघर्ष के अनुभवों को देखते हुए, ईरान अपनी मिसाइलों की मारक क्षमता में बहुत बड़ा इजाफा करने जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना के ठिकाने और उनके अड्डे ईरानी समुद्री सीमाओं और तटों से करीब 1,000 किलोमीटर दूर हैं। इस भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर, अपनी सुरक्षा के लिए मिसाइलों की रेंज बढ़ाना ईरान के लिए बहुत जरुरी हो गया है। इस ऐलान का सीधा मतलब है कि ईरान अपनी बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को उन्नत कर रहा है ताकि खाड़ी में मौजूद अमेरिकी युद्धपोत और आसपास के देशों में स्थापित अमेरिकी सैन्य अड्डे सीधे उसके निशाने पर आ सकें।

ईरानी सेना के ब्रिगेडियर जनरल जहांशाही ने पुष्टि की है कि देश की सीमाओं पर सैन्य टुकड़ियों को पहले ही तैनात कर दिया गया है। दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में अचानक होने वाले हमलों से निपटने के लिए रैपिड रिएक्शन टीमें और भारी तोपखाना को मुस्तैद कर दिया है। पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में विशेष अभियान इकाइयां और मजबूत सीमा सुरक्षा ग्रिड सक्रिय कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, ओमान की खाड़ी से सटे मकरान तट पर नौसेना और थलसेना मिलकर पहरा दे रही हैं ताकि समुद्री रास्ते से किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोका जा सके।

जहांशाही ने बताया कि अमेरिका और इजराइल की ओर से मंडराते खतरे को भांपते हुए इन इकाइयों को पहले ही सीमाओं पर भेज दिया गया था और इन्हें पूरा लाजिस्टिक्स सपोर्ट भी मिल रहा है। ईरान ने अपनी सबसे खूंखार और प्रशिक्षित रेजिमेंट्स को बार्डर पर तैनात किया है, जो इस वक्त हाई रेडिनेस की तैयारी में हैं। सेना के बड़े अफसरों का दावा है कि ऊपर से एक इशारा मिलते ही ये हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि इन सैन्य तैयारियों के पीछे दो प्रमुख उद्देश्य हैं। पहला- अमेरिका और उसके सहयोगियों के मन में दहशत पैदा करना और यह स्पष्ट संदेश देना कि ईरान की जमीन पर सीधा सैन्य हमला बहुत भारी पड़ेगा। दूसरा- यदि अमेरिका या इजराइल कोई हिमाकत करते हैं, तो ईरान एक साथ कई मोर्चों पर मुंहतोड़ जवाब दे सके। ईरान ने दुनिया को यह साफ कर दिया है कि वह झुकने वाला नहीं है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अमेरिका इस खुली चुनौती पर क्या प्रतिक्रिया देता है, क्योंकि पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है और ईरान की सीमाएं किसी भी वक्त बड़े टकराव के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भड़का ईरान, उठाए सवाल

तेहरान

ईरानी सांसद मोहसेन जंगनेह ने इस्लामाबाद की शांति की कोशिशों का उपहास करते हुए उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस्लामाबाद की विदेश नीति पर अमेरिका का सीधा असर रहता है। यह पहली बार नहीं है जब ईरान ने पाकिस्तान की निष्पक्षता पर इस तरह के सवाल उठाए हैं।

सांसद जंगनेह ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का जिक्र करते हुए कहा कि उनके द्वारा पोस्ट किए गए ट्वीट भी अमेरिकियों द्वारा लिखे जाते हैं। दरअसल, जंगनेह यहां उस घटना का हवाला दे रहे थे, जब एक पाकिस्तानी नेता द्वारा की गई पोस्ट के अंत में गलती से एक ऐसी पंक्ति रह गई थी, जिससे यह साफ समझ आ रहा था कि ट्वीट किसी और द्वारा तैयार कर उन्हें भेजा गया था। उस समय इस ट्वीट को लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी और पाकिस्तान का मजाक भी बना था। पाकिस्तान के साथ दोस्ती पर संदेह जताते हुए, जंगनेह ने अफगानिस्तान के साथ ईरान की दोस्ती की तारीफ की। उन्होंने दोनों देशों को भरोसेमंद क्षेत्रीय सहयोगी बताया और कहा कि उनके संबंधों में लगातार सुधार हो रहा है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तानी नेता लगातार उनकी गुड बुक्स में रहने की कोशिश करते हुए नजर आए हैं। फिर चाहे ट्रंप को शांति के नोबेल के लिए नामांकन करना हो या उनके द्वारा बनाए गए संगठन में खुलकर शामिल होना हो, पाकिस्तान लगातार अमेरिका का पक्ष लेता नजर आया है। ईरान के साथ जारी अमेरिकी संघर्ष में मध्यस्थता के लिए भी वाशिंगटन ने इस्लामाबाद को ही चुना, क्योंकि उन्हें यकीन था कि पाकिस्तान उन्हीं का साथ देगा। ईरान की तरफ से भी इस मुद्दे को समय के साथ कई बार उठाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान की तरफ से आ रहे ऐसे बयान तेहरान और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते अविश्वास को दर्शाते हैं। इस तीखी प्रतिक्रिया से मध्य-पूर्व के मामलों में खुद को एक विश्वसनीय शांतिदूत के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं, और दोनों देशों के बीच युद्ध अभी भी जारी है।

रियाद एयरपोर्ट पर फिर हमला, कई लोग घायल; नुकसान का आकलन जारी

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बार फिर हमला हुआ, जिसमें कई लोग घायल हो गए। सऊदी अरब के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि हवाई अड्डे को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और सुविधाओं की सुरक्षा जांच जारी है। सामान्य नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने बयान में कहा कि हवाई अड्डे को नए हमले का सामना करना पड़ा, जिसमें लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, घटना के बाद हवाई अड्डे की विभिन्न सुविधाओं की स्थिति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जांच की जा रही है। हालांकि, घायलों की सटीक संख्या और हमले की प्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। इससे एक दिन पहले भी रियाद हवाई अड्डे पर हमला होने की खबर आई थी। उस हमले के लिए यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया गया था। उपलब्ध रिपोर्ट के मुताबिक, उस घटना में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। लगातार दूसरे दिन हवाई अड्डे को निशाना बनाए जाने से सऊदी अरब में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

व्हाइट हाउस की नई प्रेस सेक्रेटरी जकारिया ट्रंप की करीबी और भरोसेमंद सहयोगी

केटी ने अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग में प्रवक्ता और उप सहायक सचिव रहीं

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ नजर आने वाली केटी जकारिया इन दिनों चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें सामने आने के बाद लोग उनके बारे में जानने के लिए बेताब हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने उन्हें व्हाइट हाउस की नई प्रेस सेक्रेटरी बनाया है। वह इस पद पर कैरोलिन लेविट की जगह लेंगी। केटी पेशे से वकील हैं और अमेरिकी राजनीति और मीडिया जगत में कंजर्वेटिव कम्युनिकेटर के रूप में पहचान बना चुकी हैं। केटी जकारिया को ट्रंप का करीबी और भरोसेमंद सहयोगी बताया जाता है।

ट्रंप ने उनकी नियुक्ति की घोषणा सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर की। उनके मुताबिक केटी प्रशासन की नीतियों और फैसलों को मीडिया और जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी का काम राष्ट्रपति और प्रशासन के विचारों को मीडिया के सामने रखना, नियमित प्रेस ब्रीफिंग करना और पत्रकारों के सवालों का जवाब देना होता है। जकारिया की शैक्षणिक पृष्ठभूमि कानून और राजनीति से जुड़ी है। उन्होंने कैलिफोर्निया स्थित पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से राजनीति विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद इसी विश्वविद्यालय के कारूसो स्कूल आफ ला से कानून की डिग्री हासिल की। व्हाइट हाउस पहुंचने से पहले केटी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलाजी ग्रुप में वरिष्ठ संचार सलाहकार के तौर पर काम कर चुकी हैं। यह कंपनी ट्रुथ सोशल मंच का संचालन करती है। इस भूमिका में उन्हें ट्रंप के राजनीतिक संदेशों और संचार रणनीति से जुड़े काम करने का अनुभव मिला।

वर्ष 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी उन्होंने ट्रंप के चुनावी अभियान में भूमिका निभाई थी। बताया जाता है कि उन्होंने कई अहम राज्यों में संचार संबंधी जिम्मेदारियां संभाली थीं, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा माना जा रहा था।

इसके अलावा केटी ने अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग में भी प्रवक्ता और उप सहायक सचिव के रूप में काम किया था। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने मार्च 2026 में इस जिम्मेदारी से अलग होने का फैसला किया। रिपोर्ट के मुताबिक केटी जकारिया की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी प्रशासन और मीडिया के बीच संवाद की भूमिका काफी अहम है।

मंगल पर इंसानों की बस्ती बनाने वैज्ञानिकों ने तैयार की जिंदा ईंटें

हांगकांग सिटी

मंगल ग्रह पर भविष्य में इंसानी बस्तियों के निर्माण के लिए हांगकांग के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी समाधान खोजा है। वैज्ञानिकों ने ऐसा लिविंग बिल्डिंग मैटेरियल यानी जिंदा ईंट विकसित करने का दावा किया है, जिसे यीस्ट, जिलेटिन और मंगल की स्थानीय रेत का उपयोग करके सीधे लाल ग्रह के वातावरण में 3डी प्रिंट किया जा सकेगा। द हान्ग कान्ग यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी के सिविल इंजीनियर जिशेन क्यू और उनकी टीम द्वारा यह शोध किया गया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, मंगल पर घर बनाना बेहद कठिन है क्योंकि वहां का वायुमंडल बहुत पतला है, तापमान अक्सर शून्य से 50 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच जाता है, और हवा का दबाव बहुत कम है। ऐसे में पृथ्वी से निर्माण सामग्री ले जाना बहुत महंगा और व्यावहारिक रूप से असंभव है। अब तक का एक विकल्प मंगल की मिट्टी (रेगोलिथ) को अत्यधिक तापमान पर गर्म करके ईंटें बनाना था, लेकिन इसके लिए भारी मशीनों की आवश्यकता होती, जो ऊर्जा-सघन और परिवहन के लिए जटिल होतीं। इस नई तकनीक में हांगकांग यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी और हांगकांग पालिटेक्निक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने रेत या अन्य दानेदार कणों, जिलेटिन-आधारित हाइड्रोजेल और यीस्ट का उपयोग किया है।

उन्होंने यीस्ट की सतह पर चिपकने वाले प्रोटीन लगाए हैं, जो समुद्री जीवों को चट्टानों से चिपके रहने में मदद करते हैं। ये प्रोटीन जैविक गोंद की तरह काम करते हैं, जिलेटिन और रेत के कणों को मजबूती से जोड़ते हैं। जब इस मिश्रण को मंगल के कम दबाव वाले वातावरण में सुखाया जाता है, तो पानी वाष्पित हो जाता है और एक मजबूत संरचना बन जाती है।

मंगल पर इस निर्माण सामग्री को बनाने के लिए, अंतरिक्ष यात्री अपने साथ केवल हल्के यीस्ट और जिलेटिन लेकर जाएंगे। मंगल ग्रह पर वे इसे वहां की लाल रेत के साथ मिलाएंगे और बहुत कम मात्रा में पानी डालकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएंगे। इस पेस्ट को एक रोबोटिक 3D प्रिंटर में डाला जाएगा, जो कंप्यूटर डिजाइन के अनुसार एक के ऊपर एक परत चढ़ाते हुए दीवारें या कमरों का ढांचा तैयार करेगा। मंगल का कड़ाके का ठंडा और कम दबाव वाला वातावरण पेस्ट के अंदर के पानी को तेजी से वाष्पित कर देगा, जिससे संरचना तुरंत मजबूत और सख्त बन जाएगी। वैज्ञानिकों के अनुसार, यीस्ट की मौजूदगी से यह संरचना असाधारण रूप से मजबूत होती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस नई सामग्री की कंप्रेसिव स्ट्रेंथ लगभग 12 मेगापास्कल है, जो परीक्षण में इस्तेमाल किए गए सामान्य नमूनों की तुलना में लगभग 170 प्रतिशत अधिक है और कई पारंपरिक निर्माण सामग्रियों की श्रेणी में आती है। यह सिर्फ प्रयोगशाला का प्रयोग नहीं है, बल्कि वैज्ञानिकों ने एक विशेष पर्यावरणीय कक्ष में मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों (0.01 वायुमंडल दबाव और -30 डिग्री सेल्सियस तापमान) में इस सामग्री से सफलतापूर्वक 3D प्रिंटिंग भी की। इस परीक्षण में लगभग 45 मिलीमीटर ऊंची और 30 मिलीमीटर व्यास वाली एक छोटी संरचना सफलतापूर्वक तैयार की गई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जिंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरुर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरुरत है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुल–क़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। एक प्यारी–सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अक्टूबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 11:28 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 01:43 तक
योग : प्रीति रात्रि 08:23 तक
करण : तैतिल प्रात: 10:47 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 07:12 तक
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:55 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 05:47 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चंद्रघंटा पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निजामाबाद में धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेनजी की 5150वीं जयंती

बद्री विशाल बंसल ने वैश्य समाज की एकता, आत्मशक्ति और राजनीति में भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता ने मोहा मन, विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

निजामाबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

निजामाबाद श्री अग्रसेन समिति की ओर से भगवान श्री अग्रसेन महाराजजी की 5150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर प्रातः श्रीमती कांता सरावगी ने ध्वजारोहण किया। सायंकाल विराट सभा का आयोजन किया गया, जिसमें हैदराबाद के प्रमुख समाजसेवी बद्री विशाल बंसल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पूजा–अर्चना और आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

समारोह की शुरुआत कुलदेवी महामाया महालक्ष्मीजी एवं भगवान श्री महाराजा अग्रसेनजी की पूजा–अर्चना और आरती के साथ हुई। इसके पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। समिति के अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित समाजबंधुओं का स्वागत करते हुए समिति की आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने निजामाबाद शहर में महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा स्थापित करने की योजना के बारे में भी बताया।

समिति, महिला मंडल और युवा मंच ने प्रस्तुत की वार्षिक रिपोर्ट

कार्यक्रम में अग्रसेन समिति, महिला मंडल और युवा मंच के मंत्रियों ने अपने–अपने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। इसके बाद छोटे बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से विभिन्न संदेश दिए, जिन्हें सभा में उपस्थित लोगों ने सराहा।

वैश्य समाज की एकता और आत्मशक्ति बढ़ाने पर जोर

सभा के संयोजक द्वारकादास अग्रवाल ने मुख्य अतिथि बद्री विशाल बंसल का परिचय दिया। अपने संबोधन में बंसल ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों की प्रस्तुतियों और उनके माध्यम से दिए गए संदेशों की प्रशंसा की।उन्होंने पूरे वैश्य समाज से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज को अपनी एकता और सामूहिक शक्ति को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने सामाजिक समारोहों में होने वाले अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने तथा केवल संख्या बल के बजाय आत्मशक्ति बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने राजनीति में समाज की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता भी बताई।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि बद्री विशाल बंसल ने पुरस्कार प्रदान किए। इसके बाद उपमंत्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

समिति के मंत्री रमेश गुप्ता ने यह जानकारी देते हुए जयंती महोत्सव के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहयोग देने वाले पदाधिकारियों, सदस्यों, अतिथियों और समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

बीकानेर में चतुर्थ मां नागणेची डांडिया उत्सव 18 को

बीकानेर, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवरात्रि के पावन अवसर पर सुदर्शना नगर महिला विकास समिति के तत्वावधान में आगामी 18 अक्टूबर, रविवार को शहीद भगत सिंह पार्क में चतुर्थ मां नागणेची डांडिया उत्सव आयोजित किया जाएगा। उत्सव के दौरान माता रानी की विशेष पूजा–अर्चना के बाद मां के दरबार में राजस्थानी वेशभूषा में महिला–पुरुष, किशोर–किशोरियां, युवक–युवतियां और बच्चे डांडिया एवं गरबा रास खेलेंगे।

समिति की पूजा देवड़ा ने बताया कि सोमवार को शहीद भगत सिंह पार्क में निर्दलीय पार्षद शुभकरण गहलोत ने डांडिया एवं गरबा रास कार्यक्रम के पोस्टर, प्रवेश पास और पेम्पलेट्स का विमोचन किया। इस अवसर पर चन्द्रकला सेवग और कमला जांगिड़ ने पार्षद शुभकरण गहलोत को माता रानी का दुपट्टा भेंट किया। वहीं, नीता शर्मा, रिंकी शर्मा और टीना लोहिया ने डांडिया भेंट किए। आशा जांगिड़, अनुराधा, राजकुमारी, पुष्पा तंवर, रेखा खत्री और उर्मिला पाल ने माता रानी की तस्वीर भेंट की।

समिति की नीता शर्मा ने बताया कि डांडिया एवं गरबा रास कार्यक्रम में बेस्ट ड्रेस, बेस्ट हेयर स्टाइल, बेस्ट किड्स, बेस्ट कपल और बेस्ट ग्रुप सहित विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। समिति की भावना जांगिड़ ने बताया कि डांडिया रसिक अवार्ड के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार 1,100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 700 रुपये और तृतीय पुरस्कार 500 रुपये नकद दिया जाएगा।

समिति की चन्द्रकला ने बताया कि कार्यक्रम के नि:शुल्क प्रवेश पास का क्षेत्र में घर–घर वितरण मंगलवार से प्रारंभ किया जाएगा।

इस अवसर पर आनंद शुक्ला, नवीन जांगिड़ (कांग्रेस प्रत्याशी), नरेंद्र लोहिया, परमेश्वर जांगिड़, मनीष भोजक, हनी सिंह, डॉ. करण पुरोहित, मनीष जांगिड़, नरेंद्र सेवग, हेमंत सेवग, पंकज जांगिड़, तरुण भोजक और ऋतुराज शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शंकर सेवग ने किया तथा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

अन्नसेवा मानवता की सबसे बड़ी सेवा, जरूरतमंदों की मदद ही सच्ची ईश्वर आराधना : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265–ए के पास सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप द्वारा निरंतर संचालित इस सेवा अभियान के माध्यम से मानवता, परोपकार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को साकार किया जा रहा है। सेवा के इस पुनीत कार्य में ग्रुप के सदस्य पूरे समर्पण और सेवाभाव के साथ अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि अन्नसेवा केवल किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति संवेदना, करुणा और अपने सामाजिक दायित्व को निभाने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता लाना ही सेवा की सबसे बड़ी सार्थकता है। उन्होंने कहा कि संसार में धन–दौलत और भौतिक सुख–सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन किसी जरूरतमंद के काम आना और उसकी पीड़ा को समझना जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को सदैव विशेष महत्व दिया गया है। अन्न केवल शरीर की आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। भूखे को भोजन कराना, प्यासे को पानी पिलाना और असहाय व्यक्ति की सहायता करना ऐसे कार्य हैं, जिनसे समाज में प्रेम, विश्वास और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। सेवा के लिए किसी बड़े पद, प्रतिष्ठा या विशेष अवसर की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि इसके लिए एक संवेदनशील हृदय और दूसरों के प्रति समर्पण का भाव होना जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है और इसी भावना को आत्मसात करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में सेवा के लिए स्थान अवश्य रखना चाहिए। जब व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और जरूरतमंदों के बारे में सोचता है, तभी सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों को वास्तविक मजबूती मिलती है। सेवा का कार्य किसी दिखावे या प्रशंसा के लिए नहीं, बल्कि आत्मसंतोष और परोपकार की भावना से किया जाना चाहिए। निस्वार्थ सेवा से मिलने वाला आत्मिक आनंद किसी भी सांसारिक उपलब्धि से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल नियमित अन्नसेवा करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार, सहयोग और समर्पण की भावना को व्यापक बनाना भी है। ग्रुप का प्रत्येक सेवा कार्य इस विश्वास को मजबूत करता है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब संपन्न और सक्षम लोग जरूरतमंदों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। सेवा का यह भाव समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और अधिक से अधिक लोग मानवता के इस अभियान से जुड़ें, यही समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में भगत राम, महेश अग्रवाल, जगन, नंद किशोर, रोहित, सुमन, संजय गोयल, किरण गोयल एवं कृतिका सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम में सहभागिता निभाते हुए सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत किया।

एसआई–कांस्टेबल अभ्यर्थियों के लिए 22 अक्टूबर को मेगा मॉक परीक्षा

पेद्दापल्ली, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष के तत्वावधान में एसआई एवं कांस्टेबल अभ्यर्थियों के लिए 22 अक्टूबर को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक गोदावरीखानी में मेगा मॉक प्रीलिम्स परीक्षा आयोजित की जाएगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को क्रमशः 10,000, 5,000 और 2,000 रुपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम 100 अभ्यर्थियों को नि:शुल्क शारीरिक प्रशिक्षण, भोजन एवं आवास की सुविधा भी मिलेगी। **इच्छुक अभ्यर्थी** https://forms.gle/EwsqCLeErjgEPTih6 पर पंजीकरण कर सकते हैं।

मंचेरियल को शिक्षा और चिकित्सा का हब बनाएंगे : विधायक प्रेम सागर राव

मंचेरियल, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा एवं चिकित्सा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने आरटीसी बस स्टैंड के आधुनिकीकरण और श्री विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया। लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से बस स्टैंड का विकास कर प्लेटफॉर्म की संख्या 9 से बढ़ाकर 18 की जाएगी। यहां विश्राम कक्ष, मिनी थिएटर और शॉपिंग मॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। उन्होंने बताया कि मंदिर का पुनर्निर्माण श्रद्धालुओं की भावनाओं और वास्तुशिल्प संबंधी सुझावों के अनुरूप किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व डीसीसी अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा, नगर निगम आयुक्त अन्वेष, मेयर धरनी मधुकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

जनसंपर्क कार्यक्रम के आवेदनों का शीघ्र निपटारा करें : कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने अधिकारियों को जनसंपर्क कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने और उन्हें लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट में अतिरिक्त कलेक्टर बी. श्रीरामुलु के साथ उन्होंने जनता से आवेदन प्राप्त किए।

इस दौरान भूमि पासबुक में नाम दर्ज कराने, रोजगार उपलब्ध कराने तथा गरीब परिवार को दो बेडरूम का मकान आवंटित करने सहित विभिन्न समस्याओं पर आवेदन सौंपे गए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी बी. प्रकाश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं की सुरक्षा पर कांग्रेस अपना रुख स्पष्ट करे : भाजपा महिला मोर्चा

पेद्दापल्ली, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्राओं के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मुद्दे पर भाजपा महिला मोर्चा ने पेद्दापल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष वड्डेपल्ली भारती के नेतृत्व में अय्यप्पा मंदिर चौराहे पर राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइज़म के पुतले जलाए गए।

भारती ने आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर कांग्रेस को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने संबंधित सांसद के इस्तीफे की भी मांग की। प्रदर्शन में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मातंगी रेणुका सहित महिला मोर्चा की कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

कामारेड्डी टाउन पुलिस स्टेशन में मनाया गया 21वां आरटीआई सप्ताह

कामारेड्डी, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी टाउन पुलिस स्टेशन में सोमवार को स्थानीय सीआई नरहरि एवं तेलंगाना राज्य सूचना अधिकार संरक्षण समिति के स्टेट डायरेक्टर एम.ए. सलीम ने केक काटकर 21वां आरटीआई सप्ताह मनाया। इस अवसर पर सलीम ने सीआई नरहरि को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

सीआई नरहरि ने कहा कि पुलिस स्टेशन में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत निर्धारित समय–सीमा में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पुलिस तैयार है। उन्होंने बताया कि पुलिस स्टेशन में जन सूचना अधिकारी, सहायक जन सूचना अधिकारी और अपीलीय अधिकारी के नामों वाला आरटीआई बोर्ड भी लगाया गया है।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष शिव पूजा लिम्बैया, जोनल अध्यक्ष सिरनापल्ली प्रदीप कुमार, मीडिया सलाहकार सैयद जाविद, तेलंगाना क्राइम रिपोर्टर पेरियार रामास्वामी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संकष्टी चतुर्थी पर कौन करता है निर्जल व्रत और क्यों

गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है।

वैसे हर माह के कृष्ण पक्ष चतुर्थी मनाई जाती है यूं तो यह गणेश चतुर्थी कहलाती है पर संकष्टी चतुर्थी का बहुत महत्व है। इस दिन धार्मिक प्रवृत्ति की स्त्रियां व्रत व गणेश पूजन करती हैं। इस दिन विद्या-बुद्धि-वारिधि, संकट हरण गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन किया जाता है। यह व्रत संकटों तथा दुखों को दूर करने वाला तथा प्राणी मात्र की सभी इच्छाएं व मनोकामनाएं पूरी करने वाला है। इस दिन स्त्रियां निर्जल व्रत करती हैं। इस दिन कच्चे तिल को कूटकर गणेशजी की मूर्त बनाई जाती है और उनकी पूजा की जाती है और कथा सुनने के बाद लोटे में भरा जल चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही व्रत खोला जाता है। रात्रि को चंद्रमा को अर्ध्य देने के बाद ही महिलाएं भोजन करती है। संकट चौथ के दिन तिल को भूनकर गुड के साथ कूटकर तिलकुटा यानि तिलकुट का पहाड बनाया जाता है। उसकी पूजा करके घर का कोई बच्चा उसकी गर्दन काटता है, फिर सभी को प्रसाद दिया जाता है।

तिलकुटे से ही गणेशजी का पूजन किया जाता है तथा इसका ही बायना निकालते हैं और तिलकुट को भोजन के साथ खाते भी हैं। जिस घर में लडके की शादी या लडका हुआ हो, उस वर्ष संकट चौथ को सवा किलो तिलों को सवा किलो शक्कर या गुड के साथ कूटकर इसके तेरह लड्डू बनाए जाते हैं। इन लड्डूओं को बहू बायने के रूप में सास को देती है। कहीं-कहीं इस दिन व्रत रहने के बाद सायंकाल चंद्रमा को दूध का अर्ध्य देकर पूजा की जाती है। गौरी-गणेश की स्थापना कर उनका पूजन तथा वर्षभर उन्हें घर में रखा जाता है।

तिल, ईख, गंजी, भांटा, अमरूद, गुड, घी से चंद्रमा गणेश का भोग लगाया जाता है। यह नैवेद्य रात भर डलिया से ढककर रख दिया जाता है, जिसे 'पहार' कहते हैं। पुत्रवती माताएं पुत्र तथा पति की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं। उस ढके हुए 'पहार' को पुत्र ही खोलता है तथा उसे भाई-बंधुओं में बांटा जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया।

हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रहाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

इन मंत्रों का करें उच्चारण

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्म
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः ।

ऐसे करें व्रत

इस दिन प्रात: ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए, तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दु:खों से मुक्त हो जाता है।

घर में अवश्य लगाएं तुलसी के पौधे क्योंकि

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है।

तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं।

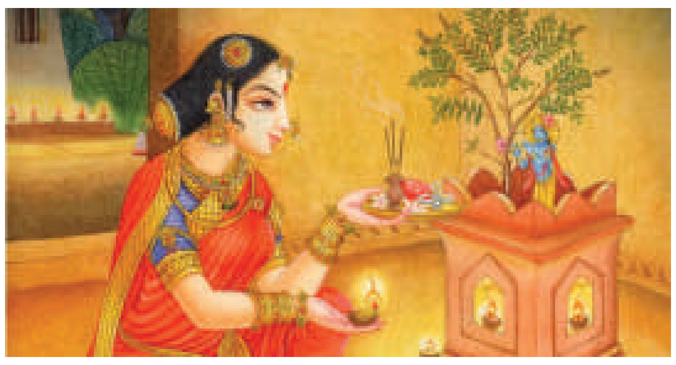

तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान।

1. वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है।
2. तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढता है।
3. पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी।
4. अगर संतान बहुत ज्यादा जिदी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें।
5. यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी।
6. यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढाएं।
7. नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपडे में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।
8. शरीर में नाक, कान वायु, कफ, ज्वर खांसी और दिल की बीमारियों पर तुलसी के पत्ते रोग दूर करने में सहायक हैं।
9. तुलसी एकमात्र पौधा है जो जीवन को सुखमय बनाने में सक्षम है।

उपनिषद में मन: मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है

मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है। मनुष्य मनोमय है अर्थात मन की जैसी प्रवृत्ति होती है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। आत्मा प्रज्ञा के रूप में मन में प्रतिबिंबित होती है।

कौषिति की उपनिषद

मन की सक्रियता का आधार आत्मा है और इसको जानने पर बल दिया जाना चाहिए। ज्ञान का आधार तप, संयम और नि:स्वार्थ कर्म है।

केन उपनिषद

मन दसों इंद्रियों का अधिपति है और जब मन इनसे संयुक्त होता है तभी उन विषयों का ज्ञान होता है। मन अनंत है। मन ही ज्योति है, मन ही सम्राट है और मन ही परम ब्रहम है।

वृहदारण्यक उपनिषद

मन आत्मा द्वारा निर्देशित अंतरइंद्रिय है, जो दूसरी इंद्रियों को निर्देशित करता है। जिसने अपना चरित्र शुद्ध नहीं किया, जिसकी इंद्रियां शांत नहींरह सकतीं, जिसका चित्त स्थिर नहीं, मन सदैव अशांत रहता है, वह केवल बाहय जगत के आधार पर आत्मा को प्राप्त नहींकर सकते।

यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन...

प्राणों के स्पंदन से ही हमारे भीतर की सभी शक्तियां संचालित होती हैं। स्वामी विवेकानंद का चिंतन।

योगियों के मत से मुख्यत: तीन नाडियां होती हैं। ये तीनों मेरुदंड के भीतर रहती हैं। बाईं ओर है इडा, दाहिनी ओर पिंगला और बीच में सुषुम्ना। इडा और पिंगला ज्ञान-तंतुओं से बनी हुई हैं, पर सुषुम्ना ज्ञानतंतुमय नहीं है। सुषुम्ना बंद रहती है और साधारण मनुष्य के लिए इसका कोई उपयोग नहीं होता। वह इडा और पिंगला से ही अपना काम लिया करता है। इन्हीं नाडियों द्वारा संवेदना का प्रवाह आता-जाता रहता है और संपूर्ण शरीर में फैले हुए ज्ञान-तंतुओं द्वारा शरीर की पृथक-पृथक इंद्रियों तक ये नाडियां आदेश पहुंचाती हैं। इडा और पिंगला का व्यवहार नियमित करना और उनमें गति उत्पन्न करना प्राणायाम का उदेश्य है। पर यह कोई बडी बात नहीं है। श्वासोच्छ्वास द्वारा हवा फेफडों में खींचना और उसके द्वारा खून साफ करना, इसमें कोई गुप्त रहस्य नहींहै। यह तो केवल एक शारीरिक क्रिया मात्र है। वस्तुत: प्राणायाम से सिद्ध हुई इडा और पिंगला की गति जब नियमित होकर अत्यंत सूक्ष्म हो जाती है, तब हम मूलभूत शक्ति को, जिसे हम प्राण कहते हैं, प्राप्त होते हैं। विश्व में सर्वत्र दिखाई देने वाली सब क्रियाएं इस प्राण के विभिन्न रूप हैं। यह प्राण सूक्ष्म महाशक्ति है। मस्तिष्क द्वारा यह प्राणशक्ति विचार के रूप में प्रकट होती है। सब वस्तुएं प्राणमय हैं और यह प्राण-शक्ति ही सूर्य, चंद्र, तारे आदि को चला रही है। विश्व में जो कुछ विद्यमान है, वह प्राण के स्पंदन का ही कार्य है। प्राण के सर्वोच्च स्पंदनों का कार्य है- विचार। इससे परे अगर कुछ है, तो वह हमारी कल्पना शक्ति के बाहर है। विभिन्न शक्तियों का रूप लेकर शरीर के प्रत्येक भाग को प्राण ही चलाता है। यह पुरानी कल्पना छोड दो कि ईश्वर नाम का कोई है, जो यह सब कार्य चला रहा है। काम करते समय हम थक जाते हैं, क्योंकि उसमें प्राणशक्ति व्यय हो जाती है।

कर्म का आधार है विचार

विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे ।आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन विचारों से ही कर्म का जन्म होता है। वे कर्म की नींव हैं। हमारे विचार जितने अच्छे होंगे, उतने ही श्रेष्ठ हमारे कर्म भी होंगे।

आचार्य शिवेंद्र नागर का चिंतन... वेदांत में बताया गया है कि शारीरिक कर्म मात्र परिणाम है, उसका वास्तविक कारण कुछ और है। शारीरिक कर्म होते हुए दिखता तो है, परंतु वह क्यों किया गया, इसके कारण का पता नहीं चलता। अगर मात्र शरीर ही कर्म कर रहा होता तो देहांत के बाद शरीर कर्म क्यों करता। मृत्यु के उपरांत शरीर में कर्म करने की क्षमता कुछ देर तक रहती है। मृत व्यक्ति के अंगों का दान करने से वे जीवित व्यक्ति के लिए काम आ जाते हैं। यानी देह में मृत्यु के बाद भी कर्म करने की क्षमता होती है। कार्य करने की प्रक्रिया भले ही शरीर से होती है, लेकिन उसके अन्य कारण हैं। कर्म का कारण इच्छा है। इच्छा का कारण विचार है तथा विचार का कारण वासना है। वासना का अर्थ हमेशा नकारात्मक नहीं होता। वासना का एक अर्थ 'खुशबू' भी है। स्वभाव या प्रवृत्ति को भी वासना कहा गया है। वासनाएं पहले विचार रूप में प्रकट होती हैं। विचार पर केंद्रित होने पर विचार इच्छा में बदल जाता है। फिर इच्छा कर्म के रूप में प्रकट हो जाती है। आदि शंकराचार्य ने वासनाओं को 'अज्ञान' कहा है। इसीलिए योगी-महात्माओं ने विचारों की शुद्धता पर बल दिया। विचार अच्छे होंगे तो कर्म भी श्रेष्ठ होगा। मान लीजिए, अगर आटे में कंकड हैं, तो चाहे आप कितना भी अच्छा खाना क्यों न पकाते हों, रोटी खराब ही बनेगी। आटा अच्छा हो, तो रोटी अच्छी भी बन सकती है और खराब भी, परंतु आटा ही खराब हो तो रोटी कैसे अच्छी बनेगी। कर्म का मूल कारण विचार है, इसलिए अगर विचार नकारात्मक होंगे तो कर्म श्रेष्ठ नहीं होगा। कर्म अगर भवन है, तो विचार उसकी नींव। कर्म की बुनियाद ही खराब होगी तो भवन अच्छा नहीं होगा। अगर विचारों में स्थिरता है तो कार्य को करने में हमें खुशी का अनुभव होगा। आज के जीवन में तो यह और भी जरूरी है कि किसी काम की शुरुआत अच्छे विचारों से हो।

भगीरथ ने बदायूं में किया था तप।

गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे। गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन मे बदायूं, [लोकेश प्रताप सिंह]। गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ ने कहां तपस्या की थी, यह सवाल सुनकर आप भी शायद हैरत में पड जाएंगे।

गंगोत्री से गंगासागर तक न जाने कितने तीर्थ चलचित्र की भांति आपके जेहन में कौंध जाएंगे। इसके बाद भी शायद संतोषजनक जवाब न मिल सके। इस असमंजस के जवाब को बदायूं आ जाएं। यहां गंगा के कछलाघाट से कुछ ही दूर पर बूढी गंगा के किनारे एक प्राचीन टीले पर अनूठी गुफा है। कपिल मुनि आश्रम के बगल स्थित इस गुफा को भगीरथ गुफा के नाम से जानते हैं। पहले यहां राजा सगर के 60 हजार पुत्रों की भी मूर्तियां थी, जो कुछ साल पहले चोरी चली गई। करीब ही राजा भगीरथ का एक अति जीर्ण-शीर्ण मंदिर है, जहां अब सिर्फ चरण पादुका बची है। आध्यात्मिक दृष्टि से सूकरखेत (बाराह क्षेत्र) का वैसे भी बहुत महत्व है। बदायूं के कछला गंगा घाट से करीब पांच कोस की दूरी पर कासगंज की ओर बढकर एक बोर्ड दिखाई पडता है, जिस पर लिखा है भगीरथ गुफा। एक गांव है होडलपुर। थोडी दूर जंगल के बीच एक प्राचीन टीला दिखाई पडता है। बरगद का विशालकाय वृक्ष और अन्य पेडों के झुरमुटों बीच मठिया है। इसी टीले पर स्थित है कपिल मुनि आश्रम और भगीरथ गुफा। लाखोरी ईटों से बनी एक मठिया के द्वार पर हनुमानजी की विशालकाय मूर्ति लगी है। भीतर प्रवेश करने पर एक मूर्ति और दिखाई पडती है, इसे स्थानीय लोग कपिल मुनि की मूर्ति बताते हैं। मूर्ति के बगल से ही सुरंगनुमा रास्ता अंदर को जाता है, जिसमें से एक व्यक्ति ही एक बार में प्रवेश कर सकता है। पांच मीटर भीतर तक ही सुरंग की दीवारों पर लाखोरी ईटें दिखाई पडती हैं। इसके बाद शुरू हो जाती है कच्ची अंधेरी गुफा। सुरंगनुमा रास्ते से भीतर जाने के बाद एक बडी कोठरी मिलती है, जहां एक शिवलिंग भी कोने में है। कोठरी के बाद फिर सुरंग और फिर कोठरी। पर्याप्त रोशनी के साथ इस रास्ते से बढते हुए चौथी कोठरी तक पहुंचने के बाद तो साथ गए स्थानीय फरीदपुर के श्याम गिरि की भी हिम्मत जवाब दे गई। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां तक भी कोई नहीं आता, बिना ऑक्सीजन मास्क के आगे चलना ठीक नहीं है। श्याम गिरि ने बताया कि पहले गंगा इसी टीले के बगल से होकर बहती थीं। अभी भी गंगा की एक धारा समीप से होकर बहती है, जिसे बूढी गंगा कहते हैं। टीले के नीचे स्थित मंदिर से दुर्लभ मुखार बिंदु शिवलिंग भी चोरी चला गया था। इन घटनाओं की बाकायदा प्राथमिकी दर्ज हुई। बाद में पुलिस ने पाली (अलीगढ) के एक तालाब से शिवलिंग तो बरामद कर लिया, लेकिन सगर पुत्रों की मूर्तियों का अभी भी कोई पता नहीं है। इसी टीले पर तीन समाधि भी हैं, जिसे गोस्वामी तुलसीदास के गुरु नरहरिदास की समाधि कहते हैं। यहां राजा भगीरथ का मंदिर है, जो कभी बहुत भव्य था।

कछला बनेगा भागीरथ नगर

बदायूं के कछला घाट पर निर्मल गंगा अभियान चला तो गंगासेवी वयोवृद्ध संत त्रिदंडी स्वामी वासुदेवाचार्य ने भगीरथ गुफा के बारे में जानकारी दी। श्री भगीरथ सेवा न्यास ने अभियान से जुडे कई संगठनों को लेकर कछला घाट पर महाआरती की परंपरा शुरू की तो संतों-धर्माचार्यो ने कछला का नाम भगीरथ नगर करने की मांग उठाई। गौरीशंकर मंदिर के मुख्य आचार्य नारायण दास मुदगल कहते हैं कि इस समय भगीरथ गुफा से सबसे करीब कछला में ही सुविधाजनक गंगा घाट है। इसलिए भी कछला का नाम भगीरथ नगर होना चाहिए और संत-धर्माचार्य खुद यहां राजा भगीरथ का भव्य मंदिर बनवाएंगे। अखिल भारतीय संत सभा के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी पगलानंद भी संतों-धर्माचार्यो के साथ बीते सप्ताह भगीरथ गुफा का दर्शन करके आए। नगर पंचायत कछला की चेयरमैन पुष्पा देवी ने बोर्ड की ओर से कछला का नाम भगीरथ नगर किए जाने का प्रस्ताव पारित करवाने का आश्वासन संतों को दिया है।

एल्यूमीनियम फॉयल से दूर करें सभी दर्द

एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल अक्सर खाने को पैक करने के लिए करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नियमित रूप से एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल खाने को रैप करने के अलावा कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए किया जा सकता है। जी हां यह बात एक नए शोध से सामने आई है कि एल्यूमीनियम फॉयल के इस्तेमाल से शरीर के किसी भी अंग में होने वाले दर्द को दूर किया जा सकता है। आइए इसके बारे में हम विस्तार से बताते हैं।

गायब हो जाएगा दर्द

अगर आपके गर्दन, पीठ, कंधे, घुटने या पैरों में दर्द है, तो दर्द वाले हिस्से में एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल करें। आप देखेंगे कि समय की एक निश्चित अवधि के बाद आपका दर्द गायब हो जाएगा। एल्यूमीनियम फॉयल में चिकित्सीय गुण होते हैं और अक्सर चीनी और रूसी चिकित्सकों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे करें उपचार?

एल्यूमीनियम फॉयल का एक टुकड़ा लेकर, दर्द वाले जगह लगाकर उसपर बैंडेज बांध दें। एल्यूमीनियम फॉयल गर्दन, पीठ, हाथ, पैर, जोड़ों और इसी तरह के दर्द के इलाज के लिए उत्कृष्ट होता है। इसके अलावा यह गठिया और निशान के इलाज के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर

एल्यूमीनियम फॉयल में बहुत अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण होते हैं। गाउट का इलाज करते समय फॉयल के टुकड़े को निशान पर लगाना या अंगूठे पर लपेटकर बैंडेज बांधना जरूरी होता है। चीनी चिकित्सकों का विश्वास है कि यह इलाज कम से कम 10 से 12 घंटे के लिए किया जाना चाहिए। शरीर के दर्दनाक हिस्से पर एल्यूमीनियम फॉयल लगाकर रात भर के लिए छोड़ देना चाहिए। फिर 1 से 2 सप्ताह का ब्रेक लेने के बाद यदि आवश्यक हो तो इलाज को दोहराना चाहिए।

जुकाम दूर करने में सहायक

जुकाम होने पर भी आप एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 5-7 परतों में फॉयल को अपने पैर पर लपेटें और प्रत्येक परत के बीच कागज और पतला सा कपड़ा लगाए। इसे कुछ घंटों के लिए ऐसे ही रहने दें। दो घंटे के बाद इसे निकाल कर रीसेट करें। फिर से कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। उपचार को तीन बार दोहराया जाना चाहिए।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है चना

चने अपने पोषक तत्वों की वजह से सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, सोडियम और सेलेनियम होता है। आप इसे भिगोकर और सब्जी बनाकर भी खा सकते हैं। अंकुरित चने विटामिन और बी कॉम्प्लेक्स का अच्छा स्रोत हैं। चने से आपको भरपूर ऊर्जा मिलती है और आपका पाचन तंत्र भी सही बना रहता है।

सर्दी भगाने वाली दवा से रक्तचाप का खतरा

सर्दी भगाने के लिए दी जाने वाली दवाओं से हृदय गति व रक्तचाप बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। खास कर, बच्चों के मामले में , क्योंकि ऐसी दवाएं बच्चों के लिए घातक भी हो सकती है। एक अध्ययन से पता चला है कि दो वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों के मामले में सर्दी की दवा घातक साबित हो सकती है। यह भी कहा गया है कि माता-पिता को बच्चों के चिकित्सकीय सलाह पर पूरी तरह अमल करना चाहिए।

हर दिल की चाहत आर्टिफिशल स्वीट्नर

जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? कुछ लोग अपने लंच बाक्स के साथ एक डिब्बा मीठा भी ले जाते हैं। यह उनकी दिनचर्या है। वह तमाम कोशिशों के बावजूद इससे खुद को रोक नहीं पाते। यही कारण है कि जिस दिन वह मिठाई जो कि कृत्रिम मीठे से बनी होती है, नहीं ले जा पाते,तो वह दुकान कुछ न कुछ खरीदकर खा लेते हैं। इसके कारण उन्हें मोटापा आदि समस्याओं का भी समाना करना पड़ता है। बावजूद इसके जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? आइए जानने के लिए आगे पड़ते हैं।

आर्टिफिशल स्वीटनर की लालसा

कृत्रिम मीठा खाने से यह सीधे हमारे मस्तिष्क को प्रभावित करता है। नतीजतन न चाहते हुए भी हम मीठे की ओर लालायित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी यह हो जाता है कि कृत्रिम मिठाई को अपनी जीवनशैली का हिस्सा न बनाए। असल में कृत्रिम मिठाई में यूं तो कहा जाता है कि इसमें शुगर का स्तर बेहद कम होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के बेहतर होता है। लेकिन सच्चाई इससे इतर है। चूंकि यह कृत्रिम मीठा है तो आपको बताते चलें कि इसके अपने नुकसान हैं। खासकर यदि मोटे लोग इसका सेवन करते हैं तो वे इससे दूर नहीं रह सकते। बहरहाल कृत्रिम मीठे का सबसे गहरा असर हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है जिससे हम मीठे से भाग नहीं पाते।

मस्तिष्क पर प्रभाव

मीठा एक ऐसी चीज है जिसे एक बार खाओ तो दूसरी बार बिन खाए नहीं रह सकते। कृत्रिम मिठाई भी अपने अंदर इस गुण को समेटे हुए हैं। असल में जब हम कोई कृत्रिम मिठाई खाते हैं तो वह हमारे जीभ को बहुत पसंद आता है। जीभ को पसंद आने का मतलब है कि उसे दोबारा खाने का लालच पैदा हो रहा है। जब कोई चीज दोबारा खाने का लालच बने तो ऐसे में जरूरी यह होता है कि उससे दूरी बनाए रखें। असल में जैसे कि हर चीज की अति बुरी होती है, ठीक इसी तरह कृत्रिम मीठा भी हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मस्तिष्क में घोटाला

असल में जब हम कृत्रिम मीठा खा लेते हैं तो मस्तिष्क में घोटाला होने लगता है। ऊर्जा और चाह में कंफ्यूशन बढ़ जाती है। यह नहीं समझ आता कि अपनी ऊर्जा किस चीज में खर्च की जाए। होता ये है कि हम खाने पीने की चीजें ढूंढने में अपनी ऊर्जा नष्ट करने लगते हैं। असल में मस्ष्कि ज्यादा कैलोरी की डिमांग करने लगता है जिससे कि यदि कोई खाद्य पदार्थ न मिले तो मस्तिष्क को आराम नहीं मिलता।

नींद में खलल

कृत्रिम मीठा सिर्फ हमारे मोटापे को ही प्रभावित नहीं करती। इसके अलावा जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं, उन्हें नींद भी कम आती है। दरअसल कृत्रिम मीठा हमारी नींद को प्रभावित करता है। नींद न सिर्फ कम आती है बल्कि उसकी गुणवत्ता में भी कमी आ जाती है। कहने का मतलब यह है कि एक व्यक्ति को प्रत्येक दिन 8 घंटे की सामान्य और 4 घंटे की गहरी नींद की आवश्यकता होती है। यदि हम 4 घंटे की गहरी नींद ले लें तो इसके बाद हमें और सोने की जरूरत नहीं रह जाती। लेकिन जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं उन्हें गहरी नींद नहीं आ पाती। वे अकसर रात भर जगे रहते हैं। इससे उनकी जीवनशैली भी प्रभावित होती है।

मोटापा बढ़ना

पहले ही इस बात का जिक्र किया गया है कि कृत्रिम मीठा खाने से मोटापा बढ़ता है। खासकर उन लोगों में मोटापा ज्यादा बढ़ता है जो लोग खाद्य पदार्थ के साथ साथ ड्रिंक लिक्विड कृत्रिम मीठे सहित लेते हैं। इनमें कैलोरी बढ़ती है, किसी भी समय कुछ भी खाने के आदी होते हैं। यही नहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि जो लोग कृत्रिम मीठा खाने के शौकीन होते हैं, वे मीठा देखकर सामान्य लोगों से भिन्न प्रतिक्रिया करते हैं। उन्हें देख ऐसा लगता है कि वे सिर्फ मीठे के लिए ही जीवित हैं।

पानी पीना

यदि आप कृत्रिम मीठा खाने के कारण काफी ज्यादा मोटे हो चुके हैं और इस समस्या का निदान नहीं मिल रहा। ऐसे में बेहतर है कि जितना हो

सके पानी पीयें। इतना ही नहीं जब भी मीठा खाने का मन हो, उसके बजाय पानी को तरजीह दें।

पॉलिथिन में पैक सैंडविच को कहें NO....

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास किसी चीज की कमी है तो वह है वक्त। लोग आजकल इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। आजकल लोग सबसे अधिक स्नैक्स और फास्टफूड का सेवन कर रहे हैं। जिससे कई बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। फास्ट फूड में एक है सैंडविच जो लोगों की पंसदीदा आहार में से एक है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब भी आप सैंडविच लेते हैं तो यह एक पतली पन्नी में लिपटी मिलती है। पन्नी के साथ लिपटी सैंडविच सेहत के लिए कितनी नुकसानदेह है इसके बारे में इस लेख के माध्यम से जानते हैं।

पुराना स्टोर किया हुआ

अधिकतर दुकानों पर जो सैंडविच मिलती है उसमें इस्तेमाल किए जाने वाले अंडे, मीट, चिकन, पनीर या मछली को दुकानदार फ्रिज में स्टोर रखते हैं। वैसे सामान्य तौर पर इन चीजों को दो दिन से ज्यादा स्टोर नहीं करना चाहिए लेकिन ये लोग कई दिनों तक इसे फ्रिज में रखते हैं और ग्राहकों को दे देते हैं। इसके सेवन से संक्रमण का खतरा अधिक रहता है।

तापमान का ध्यान न रखना

जरूरी नहीं कि आप जो सैंडविच ले रहे हैं वो सही टेंपरेचर पर स्टोर की गई है। चूंकि सैंडविच में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जियों को अगर सही तापमान पर नहीं स्टोर किया गया तो वे एक दिन में ही खराब हो जाती हैं। खासतौर पर पकी हुई सब्जियां और जल्दी खराब हो जाती हैं। इसलिए इनके सेवन से फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है।

कैलोरी काउंट का ध्यान न रखना

सैंडविच को और मुलायम बनाने के लिए कई बार दुकानदार उसमें बहुत अधिक बटर मिलाते हैं। जिस कारण इसमें कैलोरी की मात्रा काफी बढ़ जाती है जो आपकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। खासतौर पर अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो इसे बिल्कुल न खाएं।

गलत तरीके से पैकेजिंग

सैंडविच की पैकेजिंग के लिए जिस पतली सी फिल्म का इस्तेमाल किया जाता है वो भी संक्रमित हो सकती है। सैंडविच में मौजूद एसिडिक चीजों जैसे कि टमाटर और सिरका के कारण इस पतली फिल्म में छेद भी हो सकता है जिससे इसके अन्दर बैक्टीरिया भी घुस सकते हैं। जिसके कारण संक्रमण हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपको अपने आसपास कोई ऐसी शॉप नहीं मिल रही है जहां पर फ्रेश सैंडविच मिलता हो, तो इसकी बजाय आप पास के किसी रेस्टोरेंट में जाकर इडली और डोसा खा लें। अगर आप मूवी देखने गए हैं और आपको जोरों की भूख लगी है तो सैंडविच के बजाय एक मध्यम आकार का पॉपकॉर्न लें। इससे आपकी भूख भी मिट जाएगी और इससे कोई नुकसान भी नहीं होगा। हो सके तो हेल्दी फूड ही खाएं।

ऑयली स्किन के लिए घरेलू उपाय

ऑयली स्किन महिलाओं की बड़ी समस्या है। कई महिलाओं को अपने चेहरे पर चमक दिखाई देती है, जो उनके मेकअप और मॉश्चराइजर को नुकसान पहुंचाती है। वक्त की कमी के चलते यह समस्या और ज्यादा बढ़ गई है। हमारे आहार में पोषण की कमी ने इस समस्या में इजाफा ही किया है। खुद को बचाने के लिए त्वचा अधिक मेहनत करती है और परिणामस्वरूप वह तेल का निर्माण करने लगती है।

ऑयली स्किन के नुकसान

ऑयली स्किन वाले लोगों को चेहरे पर चिपचिपाहट महसूस होती रहती है। शॉवर के फौरन बाद उनका चेहरा ऑयली और मैला लगने लगता है। ऑयली त्वचा मिट्टी और मैल को जल्दी पकड़ लेती है और साथ ही इससे आपका मेकअप भी बहुत जल्दी पिघल जाता है। ऑयली स्किन वाली महिलाओं को दिन में कई बार मेकअप लगाना पड़ता है। मैल और मिट्टी के जो कण त्वचा के साथ चिपक जाते हैं, वे आगे चलकर एक्ने और त्वचा संबंधी अन्य परेशानियों का कारण बनते हैं।

क्यों होती है ऑयली स्किन?

अनुवांशिक: अगर आप कायदे से हर ब्यूटी टिप्स का पालन कर रहे हैं। और इसके साथ ही आप स्किन के ऑयल प्रोडक्शन की संभावनाओं से बचने के सभी जरूरी प्रयास भी कर रहे हैं और इसके बाद भी अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके लिए आप अनुवांशिकता को उत्तरदायी ठहरा सकते हैं। जब ऑयली स्किन अनुवांशिकता के कारण हो, तो इस बात की पूरी संभावना है कि परिवार के हर सदस्य को ऑयली स्किन की परेशानी होगी। परिवार के हर सदस्य में ऑयल निर्माण करने वाली ग्रंथियां ज्यादा होंगी।

स्किन केयर उत्पादों का अधिक इस्तेमाल: शानदार चमकदार त्वचा पाने की चाह में कई लोग क्लींजर, एक्फोलिएट और स्क्रब का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। इससे रोम छिद्रों पर बेकार का दबाव पड़ता है, जो आगे चलकर ऑयली स्किन का कारण बनता है।

मौसम में बदलाव: गर्मियों और बरसातों में वातावरण में उमस और नमी काफी बढ़ जाती है। इससे त्वचा में ऑयल का अधिक निर्माण होता है। सर्दियों के दौरान, त्वचा रूखी हो जाती है। उसमें नमी और पोषण की कमी हो जाती है। इसे पूरा करने के लिए त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करती है।

दवायें: हॉर्मोन बैलेंस के लिए दी जाने वाली दवाओं के कारण भी त्वचा में अधिक ऑयल का निर्माण होने लगता है। इसके साथ ही कुछ दवायें त्वचा में नमी की कमी का भी कारण बनती हैं। पोषण के इस असंतुलन से लड़ने के लिए त्वचा अधिक मात्रा मे ऑयल का निर्माण करती है।

गलत उत्पादों का इस्तेमाल: जब महिलायें ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल करती हैं, जो उन्हें सूट नहीं करता, तो त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करने लगती है। यदि किसी की मिश्रित त्वचा है और वह ऑयली स्किन वाला माश्चराइजर या क्लींजर इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो उसकी त्वचा अधिक ऑयली होनी शुरू हो जाएगी।

तनाव: तनाव भी ऑयली स्किन की बड़ी वजह होता है। जब व्यक्ति तनाव में होता है तो शरीर एंड्रोग्न्स हॉर्मोन का निर्माण शुरू कर देता है। जिससे ऑयली स्किन होती है।

क्लीजिंग: अपनी त्वचा को क्लीन करने का सबसे पहला नियम है कि आप उस पर जमा अतिरिक्त ऑयल निकालें। दिन में दो बार चेहरा जरूर धोयें। और ऑयली स्किन वालों के लिए यह जरूरी है। सुबह और शाम चेहरा धोने की आदत बनाएं। अधिक ऑयल से आपके चेहरे पर गंदगी चिपकी रहती है। लेकिन, अपने चेहरे को बार-बार धोने से बचें। ज्यादा बार धोन से त्वचा का कुदरती पोषण कम हो सकता है।

शहद और सेब

सेब को काटकर उसे ब्लैंड कर लीजिए। इसमें थोड़ा शहद मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दीजिए। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लीजिए।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लीजिए। इस प्रयोग को एक महीने तक कीजिए। और इसके बाद आपको बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे।

पपीता

पपीते को मैश कर लीजिए और इसे अच्छे से मिला लीजिए। इस मिश्रण से अपने चेहरे पर मसाज कीजिए और इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दीजिए। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लीजिए।

आसान नुस्खे

अपनी त्वचा की देखभाल करने के लिए आपको कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए। ये उपाय कारगर तथा किफायती होते हैं। घरेलू उपाय न केवल आपकी त्वचा को ऑयल फ्री बनाते हैं बल्कि दाग-धब्बे हटाने का भी काम करते हैं। ऑयली स्किन की देखभाल के लिए काफी समय और संयम की जरूरत होती है। बड़े रोम छिद्रों को बंद करना और चिपचपेपन को हटाने के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत करने की जरूरत होती है। यहां हम आपको कुछ ब्यूटी टिप्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑयली स्किन की समस्या से बच सकते हैं। इन उपायों को आसानी से घर पर रहकर ही आजमाया जा सकता है।

मेकअप हटाए

भले ही आप मेकअप लगाने की आदी न हों, लेकिन इसे हटाना कभी न भूलें। सोने से पहले अच्छे से क्लींजर से मेकअप हटाए और चेहरा धोकर सोने जाएं। मेकअप रिमूविंग क्रीम और ऑयली फेस के लिए फेसवॉश इस्तेमाल करें। आपको ऐसा फेसवॉश इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें सेजलिसिलिक एसिड हो।

एक्ने के लिए क्रीम

चेहरा साफ करने के बाद उस पर एस्ट्रिंगजेंट लगाएं। अगर आप एस्ट्रिंगजेंट लगाते हैं, तो याद रखें वह अल्कोहोलिक न हो। साथ ही दिन में एक बार से ज्यादा इसका इस्तेमाल न करें। ये उत्पाद त्वचा को रूखा कर सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेकर दिन में दो बार एक्ने से लड़ने वाली क्रीम लगाइए।

माश्चराइजर

आपकी त्वचा के लिए माश्चराइजर बहुत जरूरी है। लेकिन, मॉश्चराइजर चुनते समय इस बात का ध्यान रखें कि आप गलती न करें। ऐसा मॉश्चराइजर चुनें जो आपकी त्वचा के लिए सही हो। आप कितना माश्चराइजर लगाते हैं यह पूरी तरह आपकी त्वचा के रूखेपन पर निर्भर करता है। आपको ऐसा माश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए जिसमें कोका बटर और मिनरल ऑयल हों। नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉश्चराइजर आपके लिए सही रहेगा।

सनस्क्रीन

भले ही आसमान में बादल छा रहे हों, लेकिन आपको सनस्क्रीन लगाए बिना घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। आपका सनस्क्रीन कम से कम 15 एसपीएफ होना चाहिए। लेकिन, जरूरत है कि आप ऑयली स्किन के लिए बने सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

सेव टमेटा

सामग्री

1 1/2 कप सेव , बाजार में आसानी से उपलब्ध, 2 1/4 कप टमाटर के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ अदरक, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** रोटली

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा, हींग और अदरक डालें। जब बीज चटकने लगे, टमाटर, हल्दी पाउडर, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 8-10 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। आंच से हठाकर, सेव डालकर अच्छी तरह मिला लें। रोटली के साथ तुरंत परोसें। सुलभ सुझाव: जितना हो सके, इस व्यंजन को परोसने से पहले बनाऐं वरना सेव नरम हो जाती है।

चटपटी मटर चाट

सामग्री

2 कप सूखे मटर, 3 आलू, 1 प्याज, बारीक कटी हुई, 1 टमाटर, बारीक कटा हुआ, 2 नींबू , आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा, 1 चुटकी हींग, 1 कप इमली की चटनी, 1 कप हरी चटनी, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच काला नमक, 1 चम्मच जीरा, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच हरा धनिया, बारीक कटी हुई। **सेंव गार्निशिंग के लिए:** 2 चम्मच तेल, 1 चम्मच चाट मसाला, आधा चम्मच धनिया पाउडर, 1 चौथाई चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चौथाई चम्मच अमचूर, 2-3 पापड़ी

विधि

सबसे पहले मटर को धोकर 5-6 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। जब मटर अच्छी तरह भीग जाए तो पानी निकाल लें। अब भीगी हुई मटर को एक बार और धो लें फिर प्रेशर कूकर में मटर, आलू , थोड़ा-सा पानी, बेकिंग सोडा और हींग डालकर 4 सीटी लगा लें। अब एक फ्राई पैन में तेल डाल कर गरम करें व इसमें जीरा व टमाटर डालकर 2 मिनट तक मैश करते हुए पकाएं। फिर इसमें उबले मटर और आलू डालें। इसके ऊपर धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर डालें और अच्छी तरह मैश कर पकाएं। अब इसमें आधा कप पानी और नमक डालकर पकाएं। जब पानी लगभग सूख जाए तो आंच बंद कर दें। अब एक छोटे बाउल में मटर चाट निकालें। इसके ऊपर प्याज डाल दें साथ ही सभी मसाले और नींबू का रस मिलाकर आवश्यकतानुसार इमली व हरी चटनी भी डालें। इस पर सेंव, पापड़ी और हरी धनिया पत्ती डालें और सर्व करें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

कॉकरोचों के डर से किलेबंदी

देश की राजधानी दिल्ली में ऐसे दृश्य हमने युद्धों के दौरान भी नहीं देखे। 1984 के सिख-विरोधी दंगे बेहद भयावह और जानलेवा थे। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी तालाबंदी थी, लेकिन नागरिक अधिकार तब भी जिंदा थे। 10 अक्तूबर, 2026 को इतिहास में एक काली, डरावनी, दमनकारी तारीख के तौर पर दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने सड़कों पर कीलें गाड़ दी थीं, ताकि कोई गाड़ी उन रास्तों से गुजरे, तो टायर में पंक्चर हो जाए। यह कैसा लोकतंत्र है? 7000 से अधिक युवाओं और कुछ नेताओं-सांसदों को हिरासत में लिया गया। रात होने लगी, तो उन्हें छोड़ भी दिया गया। राजधानी दिल्ली की चौतरफा किलेबंदी की गई, सीमाएं लगभग सील कर दी गईं, ड्रोन उड़ते देखे गए मानो किसी बाहरी आक्रमण या आतंकी हमले की आशंका हो! मानो कोई विदेशी आक्रांता हमारे देश को लूटने आ रहा हो! मेट्रो ट्रेन के 45 स्टेशन बंद किए गए। न प्रवेश, न ही निकास और न ही इंटरचेंज...! करीब 62 लाख लोग हररोज मेट्रो के जरिए इधर से उधर जाते हैं। कल्पना करें, कितने लोगों के पांव बांध दिए गए होंगे! करीब 250 ट्रेन रद्द कर दी गईं, जो दिल्ली से अन्य राज्यों को जाती थीं और वहां से दिल्ली की ओर आती थीं। लाखों भारतीय 'बंधक' बनकर रह गए होंगे! बताया जाता है कि करीब 2 लाख रेल-यात्री प्रभावित हुए हैं। करीब 38,000 जवान, अद्र्धसैन्य बल और अन्य बलों के जवान दिल्ली में चारों तरफ तैनात कर दिए गए। नतीजतन 'जंतर-मंतर' तक कोई नहीं पहुंच पाया, लेकिन कनॉट प्लेस की गलियों में युवा नारेबाजी करते रहे। पुलिस से कई जगह टकराव भी हुए, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया कि वे भी देश की ताकत हैं। अहम सवाल है कि क्या कॉकरोचों से इतने खतरे या उपद्रवों की आशंकाएं थीं? सर्वोच्च अदालत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने कहा था कि मक्खी को मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं। मेट्रो, ट्रेनें, सड़कें, परिवहन आदि के कारण आम नागरिक को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार धरने-प्रदर्शन की वैकल्पिक जगह तय कर सकती है। चूंकि सरकार और पुलिस ने सर्वोच्च अदालत की टिप्पणियों को हल्के में लिया, लिहाजा अब 'अदालत की अवमानना' के तहत केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को अदालत में तलब किया गया है। अदालत कठोर कार्रवाई करे, ताकि एक व्यापक संदेश जा सके। बहरहाल त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। इस दौरान औसतन 3-4 लाख [illegible] आते हैं। करीब 5 लाख व्यापारी काम करते हैं। मेट्रो और ट्रेनें बंद कर दी गईं, तो खरीददार दिल्ली तक कैसे आएंगे? पेट्रोल पंपों तक पर भीड़ बहुत कम देखी गई। होटल, रेस्तरां, सिनेमा की बुकिंग रद्द कर दी गईं। व्यापार संगठनों का अनुमान है कि करीब 2000 करोड़ रुपए का नुकसान एक ही दिन में हुआ है! यह कैसी जन-व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा है कि नागरिक ही पिस रहा है? यह धारणा मोदी सरकार के खिलाफ भी जा सकती है। अंततः हम सभी लोकतंत्र का हिस्सा हैं। क्या प्रदर्शनकारी कॉकरोच इतने खतरनाक और ताकतवर आंके गए हैं कि राजधानी दिल्ली को बंद, लगभग ठप, करने की नौबत आ गई? कॉकरोच जनता पार्टी कोई मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं है, कुंठित और महत्त्वाकांक्षी युवाओं का समूह भर है, लेकिन युवाओं, खासकर जेन-जी, को एक ऐसा मंच मिल चुका है, जहां से वे अपना आक्रोश, गुस्सा और अपने मुद्दों को बयां कर सकते हैं। अब इन कॉकरोचों को ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस, केजरीवाल की 'आप' और वामपंथी दलों का सहयोग और समर्थन भी मिल गया है। कल तक जो चेहरे अज्ञात और अनजान थे, दिल्ली की इस किलेबंदी ने उन्हें 'युवा नेता' बना दिया है। वे भविष्य में देश की जनता की धारणा के वाहक नेता भी बन सकते हैं। दिल्ली में ऐसी किलेबंदी, जवानों की फौज कमोबेश तब भी नहीं देखी गई, जब टिकैत के आह्वान पर 5 लाख से ज्यादा किसान दिल्ली में धमक गए थे। तब राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे। टिकैत ने 'बोट क्लब' पर रैली की थी। अब दिल्ली को बंद क्यों किया गया? सरकार को युवा पीढ़ी जो कह रही है, उन बातों पर गौर करना चाहिए। युवा पीढ़ी की मांगों को मानकर ही सरकार कल्याणकारी सरकार का दर्जा पा सकती है। अगर मुख्य चुनाव आयुक्त के स्तर पर कोई गलती हुई है, तो इस संबंध में ठोस कार्रवाई होनी ही चाहिए।

वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी तालाबंदी थी, लेकिन नागरिक अधिकार तब भी जिंदा थे। 10 अक्तूबर, 2026 को इतिहास में एक काली, डरावनी, दमनकारी तारीख के तौर पर दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने सड़कों पर कीलें गाड़ दी थीं, ताकि कोई गाड़ी उन रास्तों से गुजरे, तो टायर में पंक्चर हो जाए। यह कैसा लोकतंत्र है? 7000 से अधिक युवाओं और कुछ नेताओं-सांसदों को हिरासत में लिया गया। रात होने लगी, तो उन्हें छोड़ भी दिया गया। राजधानी दिल्ली की चौतरफा किलेबंदी की गई, सीमाएं लगभग सील कर दी गईं, ड्रोन उड़ते देखे गए मानो किसी बाहरी आक्रमण या आतंकी हमले की आशंका हो! मानो कोई विदेशी आक्रांता हमारे देश को लूटने आ रहा हो! मेट्रो ट्रेन के 45 स्टेशन बंद किए गए। न प्रवेश, न ही निकास और न ही इंटरचेंज...! करीब 62 लाख लोग हररोज मेट्रो के जरिए इधर से उधर जाते हैं। कल्पना करें, कितने लोगों के पांव बांध दिए गए होंगे! करीब 250 ट्रेन रद्द कर दी गईं, जो दिल्ली से अन्य राज्यों को जाती थीं और [illegible] ओर आती थीं। लाखों भारतीय 'बंधक' बनकर रह गए होंगे! बताया जाता है कि करीब 2 लाख रेल-यात्री प्रभावित हुए हैं। करीब 38,000 जवान, अद्र्धसैन्य बल और अन्य बलों के जवान दिल्ली में चारों तरफ तैनात कर दिए गए। नतीजतन 'जंतर-मंतर' तक कोई नहीं पहुंच पाया, लेकिन कनॉट प्लेस की गलियों में युवा नारेबाजी करते रहे। पुलिस से कई जगह टकराव भी हुए, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया कि वे भी देश की ताकत हैं। अहम सवाल है कि क्या कॉकरोचों से इतने खतरे या उपद्रवों की आशंकाएं थी।

महिलाओं को लगातार वस्तु की तरह देखने और उनके शरीर पर अश्लील टिप्पणियाँ करने को सामान्य मान बैठी

स्त्री देह पर अटकी सोच, विश्वगुरु बनने के सपने!

सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने, विचार व्यक्त करने और दुनिया से जुड़ने का अवसर दिया है। यह ज्ञान, विज्ञान, साहित्य, कला और सामाजिक सरोकारों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन सकता है। लेकिन सवाल यह है कि हम इस माध्यम का इस्तेमाल किसलिए कर रहे हैं? वैज्ञानिक खोजों को समझने के लिए, साहित्य पढ़ने के लिए, देश-दुनिया की समस्याओं पर विचार करने के लिए या दूसरों की तस्वीरों में शरीर के अंग तलाशने और अश्लील टिप्पणियाँ करने के लिए? यह सवाल केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का नहीं, बल्कि हमारी मानसिकता, रुचियों और सामाजिक प्राथमिकताओं का भी है। एक महिला की शिकायत है कि उसकी तस्वीरों पर बार-बार इस तरह की टिप्पणियाँ की जाती हैं कि वह हर फोटो में अपना पिछवाड़ा क्यों दिखाती है। ऐसे कमेंट्स सैकड़ों बार आ चुके हैं। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है। तस्वीर पर टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की दृष्टि क्या है? वह किसी महिला की पूरी तस्वीर, उसके व्यक्तित्व, उसके काम या उसकी उपलब्धियों को देखने के बजाय शरीर के किसी एक हिस्से पर ही क्यों अटक जाता है? क्या सोशल मीडिया पर किसी महिला की मौजूदगी का अर्थ यही रह गया है कि उसके शरीर पर सार्वजनिक टिप्पणियाँ की जाएँ? इस महिला का जवाब भी तीखा है। वह कहती है कि जब कुछ लोगों को इसी तरह की तस्वीरों में दिलचस्पी है, तो वह उन्हें वही दिखाती है, क्योंकि उनकी रुचि और समझ का स्तर इससे आगे बढ़ता दिखाई नहीं देता। उसके जवाब में व्यंग्य है, आक्रोश है और उन लोगों के प्रति उपेक्षा भी है, जो किसी महिला की तस्वीर को उसके व्यक्तित्व के बजाय उसके शरीर तक सीमित कर देते हैं। हालाँकि, इस पूरे प्रसंग का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष किसी महिला की तस्वीर या उसका जवाब नहीं, बल्कि वह मानसिकता है जो महिलाओं को लगातार वस्तु की तरह देखने और उनके शरीर पर अश्लील टिप्पणियाँ करने को सामान्य मान बैठी है। यहाँ एक बुनियादी बात समझने की जरूरत है। किसी महिला को अपनी तस्वीर में क्या दिखाना है, यह उसका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी को उसकी तस्वीर पसंद आ सकती है, किसी को नहीं भी आ सकती। लेकिन पसंद और नापसंद के नाम पर अश्लीलता परोसना, अपमानजनक टिप्पणियाँ करना या किसी के चरित्र पर हमला करना उचित नहीं हो जाता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि दूसरे व्यक्ति की गरिमा को कुचलने का अधिकार मिल गया। किसी की तस्वीर पर असहमति जताने और उसे अपमानित करने के बीच स्पष्ट अंतर है। इस प्रसंग का दूसरा पहलू और भी गंभीर है। जब रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिकों की उपलब्धियों पर पोस्ट साझा की जाती है, तो उस पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती। पोस्ट को सौ लोग भी पसंद नहीं करते, पचास लोग भी अपने विचार व्यक्त नहीं करते। वहीं, शरीर को केंद्र में रखने वाली तस्वीरों पर लोगों की दिलचस्पी कहीं अधिक दिखाई देती है। यदि किसी सोशल मीडिया उपयोगकर्ता का अनुभव ऐसा है, तो इस पर विचार होना चाहिए कि हमारी सामूहिक रुचियाँ किस दिशा में जा रही हैं। हालाँकि, किसी एक पोस्ट पर मिले लाइक और टिप्पणियों के आधार पर पूरे समाज की बौद्धिक क्षमता का फैसला नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया का एल्गोरिदम, पोस्ट का समय, प्रस्तुति, विषय और दर्शकों की रुचि भी उसकी पहुँच को प्रभावित करते हैं। फिर भी, यदि बार-बार यही अनुभव सामने आता है कि मनोरंजन और देह-केंद्रित सामग्री पर अधिक प्रतिक्रिया मिलती है, जबकि विज्ञान, शोध और गंभीर चिंतन पर उदासीनता दिखाई देती है, तो यह हमारी डिजिटल संस्कृति की समीक्षा करने का उचित अवसर है। हम चाहते हैं कि भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करे। हम चाहते हैं कि हमारे वैज्ञानिक नई खोजें करें, हमारे विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय अनुसंधान केंद्र बनें और हमारी युवा पीढ़ी चिकित्सा, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा रसायन विज्ञान में नए कीर्तिमान स्थापित करे। हम अमेरिका, चीन और इसराइल जैसे देशों की तकनीकी उपलब्धियों से आगे निकलने की आकांक्षा रखते हैं। लेकिन क्या केवल नारों से ऐसा संभव है? क्या विश्वगुरु बनने का सपना देखते हुए हम वैज्ञानिकों के काम को जानने, शोध को समझने और ज्ञान को साझा करने की जिम्मेदारी से बच सकते हैं? किसी देश की वैज्ञानिक प्रगति केवल प्रयोगशालाओं में नहीं होती। उसके लिए ऐसा सामाजिक वातावरण भी चाहिए, जहाँ जिज्ञासा का सम्मान हो, सवाल पूछने की आदत विकसित हो, शोध करने वालों को प्रोत्साहन मिले और ज्ञान को प्रतिष्ठा प्राप्त हो। जब युवा किसी वैज्ञानिक की उपलब्धि पर चर्चा करते हैं, किसी शोध के निष्कर्षों को समझते हैं और किसी नई तकनीक के सामाजिक प्रभाव पर विचार करते हैं, तभी वैज्ञानिक चेतना समाज का हिस्सा बनती है। यदि ज्ञान को उबाऊ और अश्लील मनोरंजन को सबसे आकर्षक मान लिया जाए, तो इस प्रवृत्ति पर गंभीर विमर्श आवश्यक है। यह भी सच है कि मनोरंजन और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सोशल मीडिया पर हास्य, सुंदरता, फैशन और मनोरंजन के लिए भी जगह होनी चाहिए। हर व्यक्ति से हर समय गंभीर लेख पढ़ने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। समस्या मनोरंजन में नहीं, बल्कि तब है जब किसी महिला की तस्वीर के बहाने अश्लीलता, अपमान और स्त्री-विरोधी सोच को बढ़ावा दिया जाता है तथा ज्ञानवर्धक सामग्री के प्रति रुचि विकसित करने के प्रयासों को लगातार अनदेखा किया जाता है। महिलाओं के प्रति दोहरा रवैया भी कम चिंताजनक नहीं है। एक ओर लोग उनकी तस्वीरें देखते हैं, उन पर टिप्पणियाँ करते हैं और उनकी लोकप्रियता का हिस्सा बनते हैं; दूसरी ओर उन्हीं महिलाओं को नैतिकता का पाठ पढ़ाने लगते हैं। यदि किसी महिला की तस्वीर पसंद नहीं है, तो उसे देखना या उस पर टिप्पणी करना अनिवार्य नहीं है। लेकिन किसी की तस्वीर को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना उस व्यक्ति की गरिमा के प्रति असम्मान दर्शाता है। किसी महिला की स्वतंत्रता पर सवाल उठाने से पहले यह भी देखना चाहिए कि टिप्पणी करने वाले व्यक्ति का अपना व्यवहार कितना जिम्मेदार है। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और कमाई का प्रश्न भी इसी बहस से जुड़ा है। जब किसी तरह की सामग्री पर अधिक दर्शक आते हैं, तो कुछ लोग उसे अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं। इसमें अपने आप में कोई आश्चर्य नहीं है; डिजिटल मंचों पर दर्शकों की रुचि ही अक्सर सामग्री के प्रसार और कमाई को प्रभावित करती है। लेकिन यह प्रश्न जरूर उठता है कि हम किस प्रकार की सामग्री को प्रोत्साहित कर रहे हैं। यदि दर्शक किसी सामग्री को लगातार देखते, साझा करते और उस पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो वे अनजाने में ही सही, उसके प्रसार में योगदान करते हैं। इसलिए केवल सामग्री बनाने वालों को दोष देना पर्याप्त नहीं है।

वैज्ञानिक खोजों को समझने के लिए, साहित्य पढ़ने के लिए, देश-दुनिया की समस्याओं पर विचार करने के लिए या दूसरों की तस्वीरों में शरीर के अंग तलाशने और अश्लील टिप्पणियाँ करने के लिए? यह सवाल केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का नहीं, बल्कि हमारी मानसिकता, रुचियों और सामाजिक प्राथमिकताओं का भी है। एक महिला की शिकायत है कि उसकी तस्वीरों पर बार-बार इस तरह की टिप्पणियाँ की जाती हैं कि वह हर फोटो में अपना पिछवाड़ा क्यों दिखाती है। ऐसे कमेंट्स सैकड़ों बार आ चुके हैं। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है। तस्वीर पर टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की दृष्टि क्या है? वह किसी महिला की पूरी तस्वीर, उसके व्यक्तित्व, उसके काम या उसकी उपलब्धियों को देखने के बजाय शरीर के किसी एक हिस्से पर ही क्यों अटक जाता है? क्या सोशल मीडिया पर किसी महिला की मौजूदगी का अर्थ यही रह गया है कि उसके शरीर पर सार्वजनिक टिप्पणियाँ की जाएँ? इस महिला का जवाब भी तीखा है।

देश दुनिया से

अधीर समय बढ़ाता मनुष्य की बेचैनी का ग्राफ

मैं 12 तक गिनता हूं। जब तक मेरी 12 की गिनती पूरी हो, तुम अपनी देह में लौट आना, जहां तुम अक्सर रहते नहीं हो, जबकि तुम्हें रहना चाहिए। जब तक 12 की गिनती पूरी हो, तुम खुद को शांत-शांत और शांत करते हुए विश्रांति की अवस्था में चले जाना।' यह आह्वान नोबेल पुरस्कार विजेता चिली मूल के लेखक पाब्लो नेरुदा ने 76 साल पहले अपनी कविता 'कीपिंग क्वाइट' में पूरी मनुष्य जाति से किया था। मनुष्य के भीतर अनंत बेचैनी देखकर। एक बड़ा प्रश्न है कि दशकों पहले मनुष्य के जीवन में कोई बहुत रफ्तार और व्यस्तता देखकर ही तो पाब्लो ने यह आह्वान किया होगा। मनुष्य के अंदर बहुत भारी बेचैनी देखे बिना तो उन्होंने इतनी गहरी कविता लिखी नहीं होगी। अगर अब तुलना करें कि उस समय के मुकाबले हम मनुष्य कितने गुना अधिक व्यस्त और बेचैन हुए होंगे! बल्कि अब हम खाली व्यस्त नहीं, बल्कि अस्त-व्यस्त हैं। यानी हमारी बेचैनी का ग्राफ तब के मुकाबले सैकड़ों गुना बढ़ा होगा, इसमें तो कोई संदेह ही नहीं है। अब के मुकाबले तब की बेचैनी बहुत कम ही होगी। बड़े लक्ष्य हासिल करने और तकनीक व स्क्रीन से इतनी लिपटने की तब इतनी संभावनाएं ही नहीं थीं। फिर भी उस कालखंड के लोगों का सौभाग्य देखिए कि पाब्लो जैसा उद्भट विद्वान उनको शांतचित्त करने के लिए 12 तक की गिनती करने खड़ा हो गया। और लोगों ने सुन भी लिया। और लोगों के पास सुनने का समय भी था। इस दौर में हमारे लिए यह गिनती करने कौन आएगा? हालांकि, आज भी संत-फकीर लोगों को अनावश्यक बेचैनी के प्रति चेता रहे हैं, पर बदलते वक्त की नब्ज देखते हुए वे 12 तक की गिनती तक का समय लोगों को शांत होने के लिए देने का प्रयोग नहीं कर रहे। और अगर किसी दार्शनिक ने आज ऐसा कह भी दिया कि मैं मनुष्य जाति को पांच-दस तक की गिनती का समय देता हूं और वे अपने मूल में लौट आएं, फिर भी हम पांचवें गियर में चल रहे डिजिटल युग के मानव इतनी गति में तन और मन पर अचानक ब्रेक कहां लगा देंगे? मौजूदा स्थिति को देखकर, जहां सभी संदेशों को माइक्रो ड्रामा प्रारूप यानी बहुत कम सेकंड का बनाया जाता है, वहां ऐसा लक्ष्य रखने की संभावना कोई भी नहीं ढूंढ़ेगा। पर आज मनुष्य जाति की दशा के नजरिए से देखें, तो उसकी रफ्तार और बेचैनी को विराम देने के लिए 12 तक की गिनती भी बड़ी है। वास्तव में तो तीन तक गिनने का समय ही दिया जाना चाहिए। आज मनुष्य का ज्ञान तो कमजोर नहीं है। उसे यह तो पता है कि वह एक अथक परिक्रमा में चल पड़ा है। अपार सूचना से घिरे रहने के कारण उसे यह भी पता है कि मनुष्य की ध्यान टिकाने की क्षमता (अटेंशन स्पैन) आठ सेकंड से थोड़ी-सी ज़्यादा रह गई है। उसे इतना भान तो होगा कि दिन के एक बड़े हिस्से में आंखों ने स्क्रीन के अलावा कुछ और न देखा हो, तो फिर ध्यानाकर्षण तो निर्बल होगा ही। सोशल मीडिया की अनंत स्क्रॉलिंग और उसमें भी ढेरों नैरेटिव की तुलना करने से जिस बहाव के साथ मनुष्य बह रहा है, उसमें उसे ठहराव लेने का रास्ता नहीं सूझ रहा? विशेषज्ञ कहते हैं कि आज मनुष्य के बैठने-उठने का तरीका (पॉस्चर) भी मनुष्य वाला नहीं रहा। अब यह आई-पॉस्चर यानी आईफोन से निकला पॉस्चर हो चुका है। और इन दिनों एक और भारी विसंगति मनुष्य जाति अपने हाथों पैदा कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के साथ मनुष्य स्वयं घोषणा कर रहा है कि बस, असली बात तो मशीन ही सोच सकती है। असली क्रिएटिव तो मशीन ही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मोह में मनुष्य इतना पड़ गया कि कृत्रिम व्यवहार करने लग गया है। इसका सम्यक् प्रयोग तो उचित है, पर मनुष्य तो इसके मोहपाश में अपने कॉग्निटिव ओवरलोड को और अधिक बढ़ाने पर जुट गया है। अभी हाल में प्रकाशित अपनी किताब 'ह्यूमन फर्स्ट, मशीन सेकंड' में टेक जगत की बड़ी हस्ती विनीत नायर ने कहा कि मनुष्य अपनी सारी क्षमताओं का एआई के सामने समर्पण करके खुद को बेवज़ह निर्बल बना रहा है। उन्होंने कृत्रिम मेधा के अत्यधिक मोहपाश में बंधे मनुष्य को अपनी किताब में यह समझाया—'एआई इज़ गाइड, नॉट गॉड।' अर्थात् एआई सहायक है, भगवान नहीं है। विशेषज्ञों को डर है कि मनुष्य कहीं मशीन के सहारे बड़े लक्ष्य पाने की चाह में अपनी वास्तविक चेतना न खो बैठे। और फिर... अनंत की तरफ जाती मनुष्य की व्याकुलता के कारण डिजिटल माध्यम तक ही सीमित नहीं हैं। सुख और समृद्धि के लक्ष्य भी निरंतर बढ़ रहे हैं और उनकी परिभाषाएं रोज़ बदल रही हैं। वे भीतर बड़ी रफ्तार पैदा कर रही हैं। इन सबसे उपजी तीव्र गति वाली व्यग्रता, जिसे प्रायः कम शिक्षित लोग भी अब अंग्रेज़ी शब्द 'एंग्जाइटी' ही कहकर पुकारते हैं, एक खतरनाक रूप ले चुकी है। यह एंग्जाइटी पूरे संसार में भारी रोग बनती जा रही है। कितने भयंकर रोग मनुष्य को एंग्जाइटी ने दिए हैं! उसने मनुष्य का नीर-क्षीर विवेक भी छीन लिया है। मनुष्य को इन सब अनंत, अपार दौड़ों में ठहराव देने कोई आकर पास में खड़ा नहीं हो सकता। शायद मनुष्य को अपने को ठहराव देने के लिए पाब्लो की सुझाई गिनती अपने लिए खुद ही बोलनी होगी। अंत में—आपके बारह हैं, आपकी बारी है, आपने ही बोलना है।

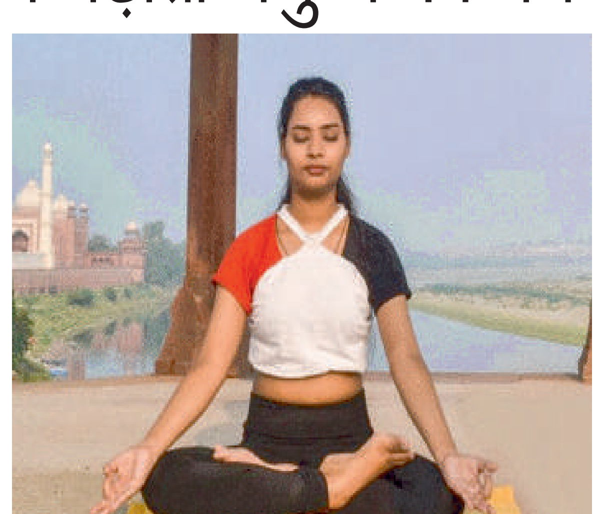

आप का नज़रिया

सरकार का रियल्टी चैक

हिमाचल सरकार ने कमोवेश अपने चौथे वर्ष में पहुंचकर यह साबित करना शुरू किया है कि कामकाज का तरीका कहां अलग रहा और कहां संभव हुआ। व्यवस्था परिवर्तन, विकास, कर्मचारी मुद्दे तथा सरकार की प्राथमिकताएं अब गणना के चौबारे पर जो कह रही हैं, उसे सुना जाएगा। व्यवस्था के बीच राजस्व की तैयारी में जिस तरह इंतकाल की मुहिम चली, उसका श्रेय मिलना चाहिए। बड़े अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी और अन्य उपकरणों का पहुंचना भी सुखद संदेश है, तो अब इलेक्ट्रिक बसों के जरिए नए परिवहन की दखल अनुभव की जा सकती है। हिमाचल को ग्रीन राज्य की श्रेणी में तसदीक करते इरादे अगर पन्द्रह सौ और इलेक्ट्रिक बसें खरीद रहे हैं, तो इस अभियान की यात्रा में निजी क्षेत्र भी समाधानों की मंजिल तक साथ दे सकता है। प्रदेश में मल्टीस्टोरी बस स्टैंड, सिटी सेंटर, मिल्क प्लांट तथा कुछ नए पर्यटन परिसरों का निर्माण भी खास चर्चा का विषय है, जबकि उच्चतर शिक्षा व स्वास्थ्य संस्थानों की पैरवी में नए प्रयत्न हुए हैं। हमीरपुर में विज्ञान का अलग से कालेज और एम्स स्तर का आयुर्वेद संस्थान नई उम्मीदों को स्थापित करता है। फैसलों की बात करें, तो कुछ शिक्षण संस्थानों का बंद होना अब हिमाचल का रियल्टी चैक कर गया और जहां हाई कोर्ट ने भी माना कि बिना माकूल छात्र प्रवेश के इनका कोई औचित्य था ही नहीं। वर्तमान सरकार ने कांगड़ा को पर्यटन कैपिटल बनाने के उद्देश्य से बनखंडी में वन्य जीव अभयारण्य को विस्तृत परिभाषा दी है, तो कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा में आनेवाली सदियां लिख दीं। जाहिर तौर पर इस हवाई अड्डे के विस्तार की दिशा में हिमाचल सरकार ने जिस शिद्दत और योजनाबद्ध तरीके से काम किया है, यह हिमाचल जैसे साधनविहीन राज्य के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं। एयरपोर्ट विस्तार के माध्यम से सरकार के कामकाज का नक्शा भी यहां उभरा है, जहां देश के सामने पुनर्वास के मानदंड बेहतर हुए हैं। न केवल जमीन की पैमाइश में उपयुक्त हर्जाना तय हुआ, बल्कि किरायेदारों और अवैध कब्जाधारकों को भी मुआवजा दिया जा रहा है। बहरहाल उत्तर भारत के सफल एयरपोर्ट्स में कांगड़ा हवाई अड्डा भी अपनी गुणात्मक ऊर्जा का प्रदर्शन कर रहा है। सलाहकार समिति की बैठक में अब दिल्ली-चंडीगढ़ उड़ान के साथ जम्मू-श्रीनगर, अहमदाबाद और मुंबई तक उड़ानों की प्रस्तावना हो रही है, तो इन संभावनाओं के अक्स में पर्यटन की सारी अधोसंरचना पर गौर करना होगा। हवाईयात्रा से आने वाला पर्यटक, वोल्वो से आने वाले से भिन्न, तो इन सबसे भिन्न वो भी है जो भीड़ की तरह पुराने व खटारा वाहनों पर झंडे लगा कर कानून-व्यवस्था को दबाव में डाल रहा है। इस इरादे से एयरोसिटी का प्रस्ताव आशा जगाता है, लेकिन समस्त टूरिस्ट इंडस्ट्री को पार्टनर बनाए बिना राज्य इस क्षमता का पूर्ण दोहन नहीं कर सकता। बेशक एयरपोर्ट विस्तार, विभिन्न क्षेत्रों में हैलिपैड तथा फोरलेन निर्माण से सैलानियों की यात्रा सुगम होगी, लेकिन इससे डेस्टिनेशन मार्गों की स्थिति नहीं सुधरती। प्रदेश में सरकार को अपने प्रयास से पर्यटक रोड, महापार्किंग तथा मनोरंजन स्थलों का ढांचा विकसित करना चाहिए। इसके साथ शहरी अधोसंरचना तथा प्रबंधन की दिशा में नए प्रयोग करने की जरूरत है। पिछले दो दशकों से आईटी पार्क तथा कानवेंशन सेंटर जैसी महत्त्वाकांक्षा आज भी अधूरी है, तो सरकार को इस दिशा में आगे बढ़ना होगा।

व्यवस्था परिवर्तन, विकास, कर्मचारी मुद्दे तथा सरकार की प्राथमिकताएं अब गणना के चौबारे पर जो कह रही हैं, उसे सुना जाएगा। व्यवस्था के बीच राजस्व की तैयारी में जिस तरह इंतकाल की मुहिम चली, उसका श्रेय मिलना चाहिए। बड़े अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी और अन्य उपकरणों का पहुंचना भी सुखद संदेश है, तो अब इलेक्ट्रिक बसों के जरिए नए परिवहन की दखल अनुभव की जा सकती है। हिमाचल को ग्रीन राज्य की श्रेणी में तसदीक करते इरादे अगर पन्द्रह सौ और इलेक्ट्रिक बसें खरीद रहे हैं, तो इस अभियान की यात्रा में निजी क्षेत्र भी समाधानों की मंजिल तक साथ दे सकता है। प्रदेश में मल्टीस्टोरी बस स्टैंड, सिटी सेंटर, मिल्क प्लांट तथा कुछ नए पर्यटन परिसरों का निर्माण भी खास चर्चा का विषय है, जबकि उच्चतर शिक्षा व स्वास्थ्य संस्थानों की पैरवी में नए प्रयत्न हुए हैं। हमीरपुर में विज्ञान का अलग से कालेज और एम्स स्तर का आयुर्वेद संस्थान नई उम्मीदों को स्थापित करता है। फैसलों की बात करें, तो कुछ शिक्षण संस्थानों का बंद होना अब हिमाचल का रियल्टी चैक कर गया और जहां हाई कोर्ट ने भी माना कि बिना माकूल छात्र प्रवेश के इनका कोई औचित्य था ही नहीं। वर्तमान सरकार ने कांगड़ा को पर्यटन कैपिटल बनाने के उद्देश्य से बनखंडी में वन्य जीव अभयारण्य को विस्तृत परिभाषा दी है, तो कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा में आनेवाली सदियां लिख दीं। जाहिर तौर पर इस हवाई अड्डे के विस्तार की दिशा में हिमाचल सरकार ने जिस शिद्दत और योजनाबद्ध तरीके से काम किया है, यह हिमाचल जैसे साधनविहीन राज्य के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं। एयरपोर्ट विस्तार के माध्यम से सरकार के कामकाज का नक्शा भी यहां उभरा है, जहां देश के सामने पुनर्वास के मानदंड बेहतर हुए हैं।

कुछ अलग

नौ देवियों में छिपा जीवन को समर्थ बनाने का रहस्य

इस सृष्टि में जो कुछ भी गतिशील है, उसके पीछे ऊर्जा का एक मूलभूत सिद्धांत कार्य करता है। वाहन ईंधन अथवा विद्युत से चलते हैं, विमान आवश्यक शक्ति के माध्यम से आकाश में उड़ते हैं, नदियां प्रवाहित होती हैं, बीज अंकुरित होते हैं और वृक्ष विकसित होते हैं। प्रकृति का प्रत्येक परिवर्तन किसी न किसी रूप में शक्ति के प्रवाह और रूपांतरण से जुड़ा है। मानव जीवन भी इसी व्यापक व्यवस्था का हिस्सा है। हम जिस उत्साह के साथ दिन की शुरुआत करते हैं, जिस स्पष्टता से निर्णय लेते हैं, जिस एकाग्रता से कार्य करते हैं और जिन भावनाओं के साथ जीवन का अनुभव करते हैं, उनका गहरा संबंध हमारी शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक अवस्था से है। स्वास्थ्य, विचार, संकल्प, व्यवहार और उपलब्धियां हमारे भीतर उपलब्ध सामर्थ्य से प्रभावित होती हैं। जीवन की गुणवत्ता का संबंध केवल बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि हमारी आंतरिक स्थिति से भी है।

दृष्टि कोण

गरबा–डांडिया आयोजनों में गैर–हिंदुओं के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग

हिंदू संरक्षण समिति, भाग्यनगर तथा अशोक फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने नवरात्रि उत्सव के दौरान आयोजित होने वाले गरबा एवं डांडिया कार्यक्रमों में गैर–हिंदुओं के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि शक्ति की उपासना, धार्मिक आस्था और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा पवित्र पर्व है। ऐसे में इन आयोजनों की धार्मिक पहचान, मर्यादा और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना आयोजकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि मां दुर्गा की आराधना का पवित्र पर्व है। गरबा एवं डांडिया केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि मां जगदंबा की उपासना से जुड़ी सांस्कृतिक परंपराएं हैं। गुजरात से प्रारंभ हुई गरबा की परंपरा आज देश–विदेश में व्यापक रूप से प्रचलित है। इन आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालु अपनी धार्मिक आस्था व्यक्त करने के साथ ही अपनी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाते हैं। इसलिए इन कार्यक्रमों का आयोजन केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि धार्मिक भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले गरबा एवं डांडिया कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां और परिवार शामिल होते हैं। ऐसे आयोजनों में सुरक्षा, अनुशासन और उचित प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कुछ लोग गरबा एवं डांडिया आयोजनों का उपयोग अनुचित उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं। उन्होंने कथित धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों की आशंका का उल्लेख करते हुए कहा कि आयोजनों में प्रवेश व्यवस्था और निगरानी को मजबूत बनाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, धार्मिक कार्यक्रमों की गरिमा बनाए रखने के लिए आयोजकों को सतर्क रहना चाहिए तथा किसी भी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उचित जांच और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हैदराबाद में बार–बार अपील करने के बावजूद कुछ आयोजक कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ाने और आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देते हुए ऐसे लोगों को प्रवेश देते हैं, जिनकी धार्मिक आस्था को लेकर लोगों को आपत्ति है। अग्रवाल ने आयोजकों से आग्रह किया कि वे व्यावसायिक हितों के साथ–साथ धार्मिक भावनाओं, सांस्कृतिक मूल्यों और श्रद्धालुओं की अपेक्षाओं का भी ध्यान रखें।

अग्रवाल ने समाज के विभिन्न वर्गों, गरबा आयोजकों तथा अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों और युवाओं को गरबा–डांडिया कार्यक्रमों में भेजने से पहले आयोजन की प्रकृति, आयोजक संस्था, प्रवेश नियमों और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि आयोजकों को कार्यक्रम से संबंधित नियमों और शर्तों को पहले से स्पष्ट करना चाहिए, ताकि किसी प्रकार की असुविधा, विवाद या अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक आयोजनों में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति से अनुशासन, शालीनता और दूसरों की धार्मिक भावनाओं के प्रति सम्मान बनाए रखने की अपेक्षा की जानी चाहिए। आयोजनों में सुरक्षा संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का मूल उद्देश्य आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत करना है। आयोजकों को चाहिए कि वे इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों का संचालन करें और धार्मिक मर्यादा से जुड़े विषयों पर समाज की चिंताओं को गंभीरता से सुनें।

एमसीजी में 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट पर विशेष किट पहनेगी आस्ट्रेलियाई टीम

इंग्लैंड के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट में हरे और सुनहरे रंग की खास जर्सी पहनेंगे आस्ट्रेलियाई

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम अगले साल मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट मुकाबले में हरे और सुनहरे रंगों से सजी विशेष जर्सी पहनेगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने खेल सामग्री निर्माता एसिक्स के साथ तैयार की गई इस विशेष किट का अनावरण किया है। यह मुकाबला 11 मार्च से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।

इस विशेष जर्सी को टेस्ट मैच शुरू होने में 150 दिन शेष रहने के अवसर पर जारी किया गया। इसमें आस्ट्रेलिया की पारंपरिक टेस्ट पोशाक में कुछ बदलाव किए गए हैं। पहले जर्सी पर सुनहरे बबूल के फूलों से प्रेरित सजावट होती थी, जिसकी जगह अब सुनहरे रंग की पट्टियां दी गई हैं। शर्ट में हरे रंग की पट्टी भी जोड़ी गई है।

जर्सी के कालर, शर्ट और पैंट के किनारों पर सुनहरी पट्टियां होंगी, जबकि बटन भी सुनहरे रंग के होंगे। आस्तीन पर वर्षगांठ टेस्ट का विशेष लोगो और किट निर्माता एसिक्स का लोगो भी दिखाई देगा।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने अपने बयान में कहा कि सुनहरा रंग टेस्ट क्रिकेट की विरासत, उपलब्धियों और निरंतर उत्कृष्टता का प्रतीक है। संस्था के अनुसार, डिजाइनरों का उद्देश्य इस ऐतिहासिक अवसर की प्रतिष्ठा और महत्त्व को दर्शाने के साथ आस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टेस्ट पोशाक की पारंपरिक पहचान को बनाए रखना था।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी एड सैंडर्स ने कहा, हम अपनी टीमों के लिए विशेष पोशाक केवल सबसे महत्त्वपूर्ण अवसरों पर तैयार करते हैं। टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने के सम्मान में सुनहरे रंग का समावेश करते हुए ऐसी पोशाक तैयार करने के लिए हम एसिक्स का धन्यवाद करते हैं।

कंधों पर आदिवासी कलाकार की कलाकृति भी रहेगी – विशेष किट में आस्ट्रेलियाई टीम की मौजूदा टेस्ट पोशाक के बाकी हिस्सों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंधों पर प्रसिद्ध आदिवासी कलाकार आंटी फियोना क्लार्क की कलाकृति भी बनी रहेगी। लैंड एंड सी नाम की इस कलाकृति में वाकअबाउट विकेट्स की आकृति शामिल है। यह 1868 में इंग्लैंड का दौरा करने वाली आस्ट्रेलिया की पहली विदेशी दौरा करने वाली क्रिकेट टीम, आदिवासी एकादश, को समर्पित सम्मान का विस्तार है।

पहले तीन दिनों के सभी टिकट बिके – 150वीं वर्षगांठ का यह टेस्ट दिन-रात का मुकाबला होगा और गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अनुसार, मैच के पहले तीन दिनों के सभी सार्वजनिक टिकट बिक चुके हैं। आस्ट्रेलिया में मार्च के महीने में घरेलू टेस्ट क्रिकेट की वापसी भी इस मुकाबले की एक खास बात होगी। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने मार्च 1979 में पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की मेजबानी की थी।

न्यूज ब्रीफ

धीरज बोम्मादेवरा की नजरें 2028 ओलंपिक खेलों पर लगीं

नई दिल्ली। हाल में जापान में हुए एशियाई खेलों में पदक जीतने में विफल रहे भारतीय पुरुष तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा निराश नहीं हैं। धीरज का कहना है उनका लक्ष्य अब 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी करना है। इसी को देखते हुए वह 2028 ओलंपिक खेलों के लिए अपनी कमियों को सुधारने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। धीरज का यह रवैया दिखाता है कि वह खेलों को लेकर सकारात्मक रुख रखते हैं। एशियाई खेलों से ठीक एक सप्ताह पहले, धीरज ने मैक्सिको में तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा था। यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि थी जिसने भारतीय तीरंदाजी को एक नई पहचान दिलाई। हालांकि इसके बाद भी वह एशियाई खेलों में व्यक्तिगत पदक नहीं जीत पाये हालांकि उन्होंने मिश्रित टीम और पुरुष टीम स्पर्धाओं दोनों में रजत पदक हासिल कर देश का मान बढ़ाया। यह प्रदर्शन उनकी निरंतरता और टीम वर्क में उनकी भूमिका को उजागर करता है। तीरंदाजी प्रीमियर लीग में माइटी मराठाज का प्रतिनिधित्व करने वाले धीरज ने अपने प्रदर्शन पर किसी भी तरह के पछतावे से इनकार किया। उन्होंने कहा, मुझे अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर कभी पछतावा नहीं हुआ। क्वालीफाइंग राउंड में मैंने एशियाई खेलों का रिकार्ड बनाया, जो एक बड़ी उपलब्धि है। हमने टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भी रजत पदक जीते, जिससे हमारी सामूहिक ताकत साबित हुई है। गौरतलब है कि धीरज से पहले, डोला बनर्जी एकमात्र भारतीय तीरंदाज थीं जिन्होंने 2007 में महिलाओं की रिकर्व श्रेणी में विश्व कप फाइनल में व्यक्तिगत स्वर्ण जीता था। एशियाई खेलों में रिकार्ड 698 अंक बनाकर नया क्वालीफाइंग रिकार्ड बनाने वाले धीरज ने बताया कि व्यक्तिगत मुकाबलों में जीत और हार का अंतर बहुत मामूली होता है। उन्होंने कहा, यह खेल का हिस्सा है।

जाफर बोले, अगरकर वाली चयन समिति के दबाव में विराट ने संन्यास लिया

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने आरोप लगाया है कि अजीत अगरकर वाली चयन समिति ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर मजबूर किया था। तब इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले विराट के संन्यास के एक सप्ताह बाद ही रोहित शर्मा ने भी टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अचानक इन दोनो के इस्तीफों से कई सवाल भी उठे थे। अब इसके डेढ़ साल बाद ही जाफर ने कहा कि विराट को मजबूरन लाल गेंद के क्रिकेट को अलविदा कहना पड़ा, उन्होंने कहा कि इससके लिए अगरकर और चयन समिति ही जिम्मेदार थी। जाफर ने कहा कि विराट साथ हुए व्यवहार से वे बेहद नाखुश थे। जाफर के अनुसार चयन समिति के दबाव और असहयोग के कारण ही विराट ने यह कठिन फैसला लिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि विराट कोहली के साथ जैसा बर्ताव हुआ, उससे वह खुश नहीं थे। विराट जैसा खिलाड़ी लोगों को स्टेडियम तक खींच लाता है, उनकी फैन फालोइंग इतनी तगड़ी है। विराट अभी काफी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे। जाफर ने यह भी बताया कि विराट के संन्यास की बातें इसलिए भी हैरानी भरी हैं क्योंकि तब वक दौरे की तैयारी में लगे थे। फिर अचानक ही उन्होंने संन्यास ले लिया।

सदाकत की आक्रामक पारी से पाकिस्तान ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को 82 रनों से हराया

रावलपिंडी। युवा बल्लेबाज माज सदाकत के 96 रनों की शानदार पारी से पाकिस्तान टीम ने यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में 82 रनों से हरा दिया। यह टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की श्रीलंका के खिलाफ रनों के मामले में अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज है। इस ऐतिहासिक जीत के होरो रहे सदाकत, जिन्होंने 96 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को 215 रनों तक पहुंचाया। जिससे जवाब में श्रीलंकाई टीम केवल 133 रन ही बना पायी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फखर जमान 22 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद साहिबजादा फरहान के साथ युवा सदाकत ने मिलकर श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। पर 21 वर्षीय माज सदाकत ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया हालांकि वह मात्र 4 रनों से अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय शतक नहीं लगा पाये। सदाकत ने मात्र 51 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और 7 छक्कों की मदद से 96 रन बनाए। दूसरी छोर से कप्तान साहिबजादा फरहान ने भी 73 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं श्रीलंका की गेंदबाजी प्रभावहीन रही। नुवान तुषारा को छोड़कर सभी गेंदबाजों ने 10 से ज्यादा के इकोनामी रेट से रन दिये। इसके बाद गेंदबाजी के दौरान पाकिस्तान के गेंदबाजों के सामने लंकाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये और 133 पर ही आउट हो ये। मेजबान तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान रंधावा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। उनके अलावा सलमान मिर्जा ने भी 2 विकेट लिए। अनुभवी शादाब खान और सैम अयूब ने भी एक-एक सफलता प्राप्त कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

एशियाई चैंपियंस ट्राफी में भारत का दबदबा पांच खिताब जीतकर सबसे सफल टीम

27 अक्टूबर से जालंधर और मोहाली में होगा टूर्नामेंट का नौवां संस्करण

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्राफी के इतिहास की सबसे सफल टीम है। वर्ष 2011 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में भारत अब तक पांच बार खिताब जीत चुका है। अब भारतीय टीम की नजर छठी बार चैंपियन बनने पर होगी। हीरो एशियाई चैंपियंस ट्राफी पंजाब 2026 का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में किया जाएगा।

भारत ने इस प्रतियोगिता के आठ संस्करणों में पांच खिताब अपने नाम किए हैं। टीम ने पहले संस्करण में शूटआउट के जरिए जीत दर्ज की, जबकि 2024 में चीन को हराकर खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। अलग-अलग परिस्थितियों में मिली इन जीतों ने एशियाई हाकी में भारत की निरंतर मजबूती को दर्शाया है।

हाल ही में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में अपने स्वर्ण पदक का पहली बार सफलतापूर्वक बचाव कर इतिहास रचा था। अब टीम एक बार फिर मैदान पर उतरेगी और एशियाई चैंपियंस ट्राफी में अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी।

2011 में पाकिस्तान को हराकर बना पहला चैंपियन

एशियाई चैंपियंस ट्राफी का पहला संस्करण 2011 में चीन के आर्डोस में खेला गया था। इसमें भारत, चीन, मलेशिया, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमों ने हिस्सा लिया था। फाइनल में भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से हुआ। निर्धारित समय तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर रहा, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट की पहली चैंपियन बनी।

2016 में दूसरी बार जीता खिताब

तीन साल के अंतराल के बाद एशियाई चैंपियंस ट्राफी 2016 में मलेशिया के कुआंतन में लौटी। भारत ने फाइनल में एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया और 3-2 से जीत हासिल कर दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। भारत की ओर से रुपिंदर पाल सिंह, अफ्फान यूसुफ और निकिन थिमैया ने गोल किए। इस जीत ने टूर्नामेंट में भारत की मजबूत स्थिति को और पुख्ता किया।

2018 में भारत और पाकिस्तान संयुक्त विजेता

भारत ने 2018 में ओमान की राजधानी मस्कट में आयोजित पांचवें संस्करण में तीसरी बार खिताब जीता, हालांकि इस बार फाइनल का परिणाम असामान्य रहा। भारत और पाकिस्तान ने फाइनल में जगह बनाई, लेकिन लगातार बारिश के कारण मुकाबला पूरा नहीं हो सका। इसके बाद दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। इस तरह भारत के खाते में तीसरा खिताब जुड़ गया।

2023 में मलेशिया के खिलाफ शानदार वापसी

भारत ने 2023 में पहली बार एशियाई चैंपियंस ट्राफी की मेजबानी की। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हाकी स्टेडियम में खेले गए सातवें संस्करण के फाइनल में भारतीय टीम का सामना मलेशिया से हुआ। मुकाबले में एक समय भारत पिछड़ रहा था और मलेशिया ने पहले हाफ तक 3-1 की बढ़त बना ली थी। भारतीय खिलाड़ियों ने अंतिम 16 मिनट में शानदार वापसी की। हरमनप्रीत सिंह, गुरजंत सिंह और आकाशदीप सिंह के गोल की बदौलत भारत ने 4-3 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत चौथी बार चैंपियन बना और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाली टीम बन गया।

2024 में चीन को हराकर खिताब का बचाव

भारत ने 2024 में चीन के हुलुनबुइर में आयोजित आठवें संस्करण में अपने खिताब का बचाव किया। फाइनल में भारतीय टीम का सामना मेजबान चीन से हुआ। मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन जुगराज सिंह के निर्णायक गोल की बदौलत भारत ने 1-0 से जीत हासिल की। यह भारत का पांचवां एशियाई चैंपियंस ट्राफी खिताब था और इससे टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम के रूप में उसका रिकार्ड और मजबूत हुआ।

छठे खिताब पर होगी भारत की नजर

आठ संस्करणों में पांच खिताब भारत की निरंतर सफलता और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाते हैं। कभी शूटआउट में मिली जीत, कभी संयुक्त विजेता बनने का परिणाम, तो कभी पिछड़ने के बाद शानदार वापसी—भारतीय टीम ने अलग-अलग परिस्थितियों में खिताब अपने नाम किए हैं।

ला लीगा: वेलेंसिया ने रेसिंग सैंटेंडर से खेला ड्रा, रियल सोसिएदाद ने डेपोर्टिवो को हराया

मैड्रिड

स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा के आठवें दौर में वेलेंसिया और रियल रेसिंग क्लब सैंटेंडर के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं, रियल बेटिस ने इसको के दो गोल की मदद से ओसासुना को 5-2 से हराया और अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। एक अन्य मुकाबले में रियल सोसिएदाद ने दस खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए डेपोर्टिवो ला कोरुना को 3-2 से शिकस्त दी। कार्यक्रम का पहला मैच एल्चे और सेल्टा विगो के बीच गोलरहित ड्रा रहा।

वेलेंसिया ने आखिरी में हासिल की बराबरी

वेलेंसिया ने रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। मैच शुरू होने के एक मिनट से कुछ अधिक समय बाद ही दानी राबा ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, 32वें मिनट में इनिगो विसेंट के पास पर यासिर ज़ाबिरी ने गोल करके रेसिंग को बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ की शुरुआत के दो मिनट बाद इवान मार्टिन ने गोल कर मेजबान टीम को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद वेलेंसिया के युवा स्थानापन्न खिलाड़ी डेविड ओटोरबी ने 65वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमें कोई और गोल नहीं कर सकीं।

इसको के दो गोल, बेटिस की शानदार जीत

रियल बेटिस ने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया। इसको ने 10वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके टीम का खाता खोला। इसके बाद 31वें मिनट में कुचो हर्नांडेज के पास पर एज अब्दे ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी।

दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में एंटे बुदिमिर के क्लीयरेंस के प्रयास के बाद गेंद डिएगो लोरेंटे से टकराकर गोल में चली गई और बेटिस ने 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, बुदिमिर और पूर्व बेटिस खिलाड़ी राउल गार्सिया ने जल्दी-जल्दी गोल करके ओसासुना की वापसी की उम्मीदें जगा दीं। इसको ने अपना दूसरा गोल करके बेटिस की बढ़त फिर दो गोल की कर दी। इंजरी टाइम में पदार्पण कर रहे जोस एंटोनियो मोरांते ने पांचवां गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ बेटिस अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया और शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना से पांच अंक पीछे है।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मुकाबले को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मैच के लिए सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और दर्शकों के प्रवेश की व्यवस्थाओं पर दी गई जानकारी

हैदराबाद।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने पुलिस विभाग के समन्वय से सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर भारत और वेस्टइंडीज के बीच आगामी चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी मीडिया को दी। यह मुकाबला 14 अक्टूबर 2026 को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच शाम 7 बजे शुरू होगा।

इस संवाददाता सम्मेलन का नेतृत्व मल्काजगिरी पुलिस आयुक्तालय की पुलिस आयुक्त बी. सुमति, आईपीएस ने किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग और हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संवाददाता सम्मेलन के दौरान मैच के दिन की प्रमुख व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण, दर्शकों के प्रवेश एवं आवागमन, पार्किंग सुविधाएं, प्रवेश संबंधी नियम एवं प्रक्रियाएं, भीड़ प्रबंधन तथा पुलिस विभाग, एचसीए और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन और पुलिस विभाग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले के सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दर्शकों, खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों, मीडिया कर्मियों और अन्य संबंधित लोगों की सुरक्षा तथा सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए समन्वित व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

एसोसिएशन ने हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के आयोजन में निरंतर सहयोग और समर्थन प्रदान करने के लिए पुलिस विभाग, विभिन्न सरकारी विभागों तथा सभी संबंधित एजेंसियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दर्शकों से अपील की गई है कि वे पुलिस कर्मियों और एचसीए अधिकारियों के साथ सहयोग करें तथा निर्धारित सुरक्षा नियमों और प्रवेश प्रक्रियाओं का पालन करें। अधिकारियों द्वारा सूचित किए गए निर्धारित मार्गों, पार्किंग स्थलों और प्रवेश द्वारों का ही उपयोग करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, दर्शकों से यात्रा और सुरक्षा जांच के लिए पर्याप्त समय लेकर स्टेडियम पहुंचने का आग्रह किया गया है।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने 14 अक्टूबर को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाले चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए भारत और वेस्टइंडीज की दोनों टीमों के साथ क्रिकेट प्रशंसकों के स्वागत की उत्सुकता व्यक्त की।

चाइना ओपन फ़ाइनल के बाद झेंग और आंद्रीवा वुहान ओपन से हटीं

नई दिल्ली

बीजिंग में चाइना ओपन फ़ाइनल खेलने के बाद चीन की झेंग किनवेन और रूस की मीरा आंद्रीवा वुहान ओपन से हट गई हैं। झेंग ने दाहिने कंधे की चोट का हवाला दिया है, जबकि आंद्रीवा ने शेड्यूल में बदलाव के कारण हटने का फ़ैसला किया है। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच चाइना ओपन में महिला एकल का खिताबी मुकाबला खेला गया था।

झेंग ने रविवार को आंद्रीवा को 7-5, 6-4 से हराकर चाइना ओपन जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। यह जीत उनके करियर का पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब और 2024 में टोक्यो में जीत के बाद पहला सिंगल्स खिताब भी था।

हालाँकि, यह जीत चीनी स्टार के लिए लगातार कई मुश्किल मैचों के बाद मिली, जो चोट के कारण ब्रेक लेने के बाद काम्पिटिशन में लौटी थीं और उसके बाद यूएस ओपन, बिली जीन किंग कप और बीजिंग टूर्नामेंट में खेली थीं।

अपने हटने की घोषणा करते हुए एक बयान में झेंग ने कहा कि लगातार मैचों के बोझ से वह शारीरिक रूप से थक गई हैं।

डब्ल्यूटीए के अनुसार, झेंग ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत अफ़सोस हो रहा है कि मैं इस साल के वुहान ओपन से हट रही हूँ। वुहान वह जगह है जहाँ से मेरा टेनिस का सपना शुरू हुआ था, और वुहान ओपन ही वह टूर्नामेंट है जहाँ मैंने डब्ल्यूटीए 1000 लेवल पर अपनी पहचान बनाई थी। मैं हमेशा अपने होमटाउन के फ़ैन्स के सामने खेलने का इंतज़ार करती रही हूँ। हालाँकि, चोट से लौटने के बाद, मैंने पिछले डेढ़ महीने में यूएस ओपन, बिली जीन किंग कप और चाइना ओपन जैसे मुश्किल टूर्नामेंट खेले हैं। इतने सारे कड़े मैचों के बाद मेरा शरीर बहुत थका हुआ महसूस कर रहा है। मैं अगले साल वुहान ओपन में लौटने और अपनी बेहतरीन फ़ार्म के साथ कोर्ट पर उतरने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ।

खिलाड़ियों के नाम वापस लेने की वजह से वुहान सिंगल्स ड्रा में बदलाव करने पड़े हैं। अमेरिकी टीनएजर इवा जोविच, जो बाय पाने वाली अगली योग्य सीडेड खिलाड़ी हैं, ड्रा में लाइन 17 पर आंद्रीवा की जगह लेंगी और सीधे दूसरे राउंड में पहुँच जाएँगी। लकी लूज़र के तौर पर शामिल हो रहीं अन्ना बोंडर, जोविच की मूल जगह लेंगी और मिया पोहांकोवा का सामना करेंगी।

झेंग की खाली जगह लकी लूज़र कैमिला ओसोरियो भरेंगी, जिनका मुक़ाबला मंगलवार को पहले राउंड में एन ली से होना है।

हाल के महीनों में शानदार वापसी के बाद बीजिंग चैंपियनशिप ने झेंग की रैंकिंग की संभावनाओं को काफ़ी बेहतर बनाया है। जून के मध्य में 160वें नंबर पर रहने के बाद यूएस ओपन के क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँचने और बीजिंग में टाइटल जीतने के बाद, नई रैंकिंग में उनके 23वें नंबर पर पहुँचने की उम्मीद है।

टोरंटो में क्वालीफ़ाइंग राउंड में हारने के बाद से इस चीनी खिलाड़ी ने अपने पिछले 14 टूर-लेवल मैचों में से 13 जीते हैं, जो उनकी हालिया शानदार फ़ार्म को दिखाता है। आंद्रीवा के लिए, बीजिंग में रनर-अप रहना 2026 सीज़न का पाँचवाँ फ़ाइनल था।

बोडुप्पल में भव्य दुर्गा पूजा उत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दुर्गा पूजा समिति, न्यू हेमा नगर, कम्युनिटी हॉल, बोडुप्पल, उप्पल, हैदराबाद के तत्वाधान में 20वें श्री श्री 108 दुर्गा पूजा उत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मिथिला की सांस्कृतिक परंपराओं एवं विधि-विधान के अनुसार किया जा रहा है। 11 से 21 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव में प्रतिदिन विभिन्न पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कलश स्थापना के साथ हुआ उत्सव का शुभारंभ

उत्सव का शुभारंभ रविवार, 11 अक्टूबर को कलश स्थापना के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक पूजा-अर्चना तथा रात 8 से 9 बजे तक महाआरती की जा रही है। श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना कर रहे हैं।

निशा पूजा, कुमारी भोजन और महाजागरण होंगे प्रमुख आकर्षण

समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 16 अक्टूबर को मां का आह्वान एवं बेलनौती, 17 अक्टूबर को पत्रिका प्रवेश तथा अन्नदानम-प्रसादम का आयोजन होगा। 18 अक्टूबर को मध्यरात्रि 12 बजे निशा पूजा की जाएगी। 19 अक्टूबर को महाष्टमी के अवसर पर कुमारी भोजन आयोजित होगा। वहीं, 20 अक्टूबर को महानवमी के अवसर पर नवीन सरपाल एवं उनकी टीम द्वारा महाजागरण प्रस्तुत किया जाएगा।

21 अक्टूबर को होगा प्रतिमा विसर्जन

उत्सव का समापन बुधवार, 21 अक्टूबर को शाम 6 बजे प्रतिमा विसर्जन एवं प्रतिमा जल प्रवाह के साथ होगा। दुर्गा पूजा समिति ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं, निवासियों और भक्तजनों से सपरिवार पूजा उत्सव में शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

कॉसमॉस डायमंड्स का हैदराबाद में पहला फ्लैगशिप स्टोर शुरू

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेंगलुरु स्थित लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी ब्रांड कॉसमॉस डायमंड्स ने जुबली हिल्स, रोड नंबर 36 पर हैदराबाद का अपना पहला फ्लैगशिप स्टोर शुरू किया। नवरात्रि के पहले दिन उद्घाटित इस स्टोर में आधुनिक डिजाइन और पारंपरिक शिल्पकला से प्रेरित हीरे के आभूषण उपलब्ध होंगे।

उद्घाटन अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री टी.जी. भरत, आइसबर्ग ऑर्गेनिक आइसक्रीम के डॉ. सुहास बी. शेट्टी, आईस्प्राउट की सुंदरी पतिबंडला और डॉ. प्रीति रेड्डी सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

कॉसमॉस डायमंड्स की संस्थापक संजना त्रिपुरामल्लू ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य हीरे की खरीद को पारदर्शी, भरोसेमंद और ग्राहकों के लिए आसान बनाना है। कंपनी के अनुसार, वह 100 प्रतिशत बायबैक और एक्सचेंज नीति भी प्रदान करती है, जिसकी शर्तें स्टोर पर उपलब्ध हैं।

ब्रांड के वर्तमान में बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट और विजयवाड़ा के गवर्नरपेट में स्टोर संचालित हैं। कंपनी ने भविष्य में हैदराबाद के अन्य क्षेत्रों के साथ चेन्नई, पुणे, मुंबई, विशाखापत्तनम, वारंगल, खम्मम, करीमनगर और कोयंबटूर सहित अन्य प्रमुख शहरों में विस्तार की योजना बनाई है।

डलास में 'इंडिका डलास फिल्म उत्सव' 13 नवंबर से

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेंटर फॉर इंडिक फिल्म्स (सीआईएफ), जो इंडिका की एक पहल है, द्वारा 13 से 15 नवंबर 2026 तक अमेरिका के टेक्सास स्थित द कॉलोनी के गैलेक्सी थिएटर्स, ग्रैंडस्केप में 'इंडिका डलास फिल्म उत्सव' आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में भारतीय सिनेमा की विविधता, सकारात्मक फिल्मों, क्षेत्रीय एवं समकालीन फिल्मों, वृत्तचित्रों और लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म निर्माताओं के साथ प्रश्नोत्तर सत्र तथा उभरते कलाकारों के लिए विशेष कार्यक्रम भी होंगे।महोत्सव का शुभारंभ 13 नवंबर को शाम 5 बजे रेड कार्पेट समारोह से होगा। शाम 6:30 बजे संतोष दावखर द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म 'गोंधल' प्रदर्शित की जाएगी, जिसके बाद निर्देशक के साथ संवाद होगा।

14 नवंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक सिने स्पार्क्स अल्ट्राशॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले आयोजित होगा। इसमें 'स्वाइप राइट' संकलन की फिल्मों का प्रदर्शन और विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इसके अलावा 'कांगबो अलोटी', 'विमुक्त' और 'खोया पाया' सहित फीचर फिल्मों तथा वृत्तचित्रों और लघु फिल्मों के विशेष संकलन प्रदर्शित किए जाएंगे।

15 नवंबर को 'एनालॉग नेटिव्स', 'अवधानम-द आर्ट ऑफ अटेंशन' और 'फोर्ज्ड बाय डिवोशन' सहित वृत्तचित्रों और लघु फिल्मों का प्रदर्शन होगा। शाम 5:30 बजे 'द इंडिया एक्सपीरियंस-सीजन 1' दिखाई जाएगी। इसके बाद वर्चुअल भारत परियोजना के निर्देशक एवं रचनात्मक प्रमुख भारतबाला गणपति के साथ प्रश्नोत्तर सत्र होगा। रात 8 बजे हरीश व्यास निर्देशित फिल्म 'ओम का हरि' के प्रदर्शन के साथ महोत्सव का समापन होगा। इसके बाद फिल्म के मुख्य कलाकारों से बातचीत की जाएगी।महोत्सव के अंतर्गत 12 नवंबर को फ्रिस्को स्थित कैड्डो ऑफिसेज में अभिनय कार्यशाला तथा 15 नवंबर को गैलेक्सी थिएटर, ग्रैंडस्केप में अभिनय मास्टरक्लास आयोजित की जाएगी। दोनों सत्रों का संचालन अभिनय एवं फिल्म निर्माण के प्रशिक्षक मधुरा वेलंकर सतम और अभिजीत शिवाजी सतम करेंगे।

गरबा-दांडिया आयोजनों में परंपराओं और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग

हैदराबाद , 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदू परिषद, तेलंगाना के धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने गरबा एवं दांडिया आयोजनों में मुस्लिम बाउंसरों की नियुक्ति पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि गरबा और दांडिया केवल मनोरंजन के कार्यक्रम नहीं, बल्कि नवरात्रि में देवी मां की आराधना से जुड़ी हिंदू परंपराओं के प्रतीक हैं। उन्होंने आयोजकों से उत्सवों की धार्मिक पवित्रता, पारंपरिक मूल्यों और अनुशासन को बनाए रखने की अपील की।

साथ ही, महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति में उनके प्रशिक्षण, विश्वसनीयता और व्यवहार की उचित जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

श्री सिखवाल समाज, सिकंदराबाद की ओर से मूर्ति के लाभार्थी गोपालजी, जुगलजी एवं पवन कुमारजी उपाध्याय (वाड़ीवाल) तथा प्रसाद के लाभार्थी श्रीकिशनजी एवं राधेश्यामजी तिवारी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नटवरलाल व्यास, भगीरथ पांड्या एवं मुकेश पांड्या ने समाज की ओर से लाभार्थियों का सम्मान किया।

मदनूर में एकीकृत विद्यालय के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

मदनूर, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदनूर मंडल में निर्माणाधीन एकीकृत विद्यालय के निर्माण कार्य में कथित गुणवत्ता संबंधी खामियों को लेकर टीआरएस नेता एवं तेलंगाना आंदोलनकारी बोरगी संजू ने सोमवार को मंडल परिषद कार्यालय में प्रजावाणी के माध्यम से एमपीडीओ को शिकायत सौंपी।

उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान पानी से तराई (क्योरिंग) नहीं किए जाने से भवन की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की गहन जांच कराने, गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा ठेकेदार के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर टीआरएस नेता हणमंडलु बंडीवार उपस्थित रहे।

किनवट में भव्य महागंगा आरती का आयोजन

किनवट, 12अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शारदीय नवरात्रि के घटस्थापना पर्व पर किनवट में शिव मंदिर के समीप पैनगंगा तट पर समस्त सत्संग परिवार की ओर से भव्य महागंगा आरती का आयोजन किया गया। हभप नारायण महाराज माधापुरकर ने प्रवचन में गंगा माता के आदर्शों का वर्णन करते हुए कहा कि जिस प्रकार गंगा अनेक बाधाओं को पार कर निरंतर बहती रहती है, उसी प्रकार समाजसेवियों को भी कठिनाइयों के बावजूद सेवा कार्य जारी रखने चाहिए। उन्होंने जल एवं नदियों को राष्ट्रीय संपदा बताते हुए उनके संरक्षण और सदुपयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न संतों ने दीप प्रज्वलित किया तथा पवार गुरुस्वामी ने काशी की तर्ज पर महागंगा आरती प्रस्तुत की। नगराध्यक्षा सुजाता एड्डलवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे।

यातायात समस्या के समाधान की मांग

पेद्दापल्ली, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) के नेताओं ने प्रजावाणी कार्यक्रम में विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अधिकारियों को आवेदन सौंपा। नगर संयोजक कुक्का श्रवण कुमार ने कहा कि कमान क्रॉसिंग और कुनाराम रोड क्रॉसिंग पर यातायात जाम के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने ट्रैफिक कोन हटाकर सिग्नल व्यवस्था शुरू करने तथा भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने की मांग की। साथ ही, ध्वज चौक पर सफाईकर्मियों की प्रतिमाएं स्थापित करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में कुक्का अशोक और मोहम्मद शफी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम...

संविधान के अनुच्छेद 324 के उल्लंघन का मामला बन सकता है।

फॉर्म-6 में बदलाव पर आपत्ति

याचिका में जुलाई 2026 के दौरान ऑनलाइन फॉर्म-6 में किए गए कथित बदलावों को गैरकानूनी बताया गया है। आरोप है कि आवेदनकर्ताओं से यह घोषणा मांगी गई कि उनका या उनके रिश्तेदारों का नाम पिछली एसआईआर मतदाता सूची में था या नहीं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इसके लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 में आवश्यक संशोधन नहीं किया गया। याचिका में यह भी कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 5 अक्टूबर को मौखिक रूप से स्पष्ट किया था कि उसने संशोधित फॉर्म को मंजूरी नहीं दी थी।

ईसीआईनेट और ईआरओनेट का

याचिकाकर्ताओं ने चुनाव आयोग के डिजिटल मंचों ईसीआईनेट और ईआरओनेट का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट कराने की मांग की है। इसमें सवाल उठाया गया है कि मतदाताओं के रिकॉर्ड में बदलाव करने का अधिकार किन लोगों के पास है और क्या प्रत्येक बदलाव का पूरा विवरण सुरक्षित रखा जाता है। कुछ रिपोर्टों का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि सॉफ्टवेयर में पुरानी स्थिति बहाल करने की सुविधा नहीं होने के कारण हटाए गए कुछ मतदाताओं के नाम दोबारा नहीं जोड़े जा सके। याचिकाकर्ताओं ने चुनाव आयोग की आंतरिक समीक्षा को अपर्याप्त बताते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की है।

करीब 13 करोड़ नाम हटाए जाने का मामला

याचिका में एक अन्य लंबित मामले का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों से लगभग 13 करोड़ नाम हटाए जाने का आरोप है। हालांकि, चुनाव आयोग का कहना है कि यह संख्या अंतिम रूप से हटाए गए मतदाताओं की नहीं, बल्कि प्रारूप सूची में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के रूप में चिह्नित लोगों की है। याचिकाकर्ताओं ने पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए जाने की आशंका की जांच कराने की मांग की है।

फॉर्म-7 के माध्यम से सामूहिक आपत्तियों का मुद्दा

याचिका में फॉर्म-7 के जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आपत्तियां दर्ज कराए जाने पर चिंता जताई गई है। आरोप लगाया गया है कि कुछ मामलों में फर्जी नामों और झूठी घोषणाओं का इस्तेमाल किया गया। विशेष समुदायों और महिलाओं को निशाना बनाए जाने तथा पर्याप्त नोटिस या सुनवाई के बिना नाम हटाने के आरोप भी लगाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं ने इस प्रक्रिया में सख्त सुरक्षा उपाय अपनाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है।

पंजाब की मतदाता सूची का उदाहरण देकर जताई आशंका

याचिका में पंजाब का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि 13 अगस्त 2026 को जारी प्रारूप मतदाता सूची में जून के लगभग 2.14 करोड़ मतदाताओं की तुलना में 20.66 लाख नाम कम थे। इसके अतिरिक्त, 12.80 लाख मतदाताओं के नामों का पुरानी सूचियों से मिलान नहीं हो सका और उनसे दस्तावेज मांगे गए। पंजाब की अंतिम मतदाता सूची 12 अक्टूबर को प्रकाशित की जानी निर्धारित थी। याचिकाकर्ताओं ने आशंका जताई है कि पात्र मतदाताओं को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने और किसी गलती को ठीक कराने के लिए पर्याप्त समय तथा प्रभावी अवसर नहीं मिल सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की मांग

याचिका का दायरा केवल एसआईआर तक सीमित नहीं है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों (ईवीएम) से संबंधित नीतियों, तकनीकी संरचना, इस्तेमाल और संचालन प्रक्रियाओं की स्वतंत्र समीक्षा कराने का अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने इन प्रक्रियाओं की अंतरराष्ट्रीय मानकों और बेहतर प्रचलित व्यवस्थाओं से तुलना करने की मांग भी की है।

स्वतंत्र जांच समिति गठित करने की मांग

याचिका में सुप्रीम कोर्ट से एक स्वतंत्र समिति गठित करने का अनुरोध किया गया है। इसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को सौंपने तथा इसमें तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल करने की मांग की गई है। प्रस्तावित समिति चुनाव आयोग के डिजिटल डेटाबेस, एसआईआर के क्रियान्वयन और ईवीएम से संबंधित प्रक्रियाओं की जांच करे।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह विवाद केवल चुनाव आयोग की आंतरिक प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक संस्था की शक्तियों के वैध इस्तेमाल से जुड़ा है। इंडिया गठबंधन ने याचिका में कहा है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं। ऐसे में चुनाव आयोग की स्वतंत्रता, निर्णय लेने की प्रक्रिया और संवैधानिक शक्तियों के इस्तेमाल की कानूनी वैधता की जांच महत्वपूर्ण है।

राहुल गांधी और खड़गे भी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

याचिका दाखिल किए जाने के कुछ समय बाद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विरोध मार्च का नेतृत्व करते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। इस दौरान अदालत परिसर के सामने एक बार फिर हंगामे जैसी स्थिति बनी। इसे लेकर सवाल उठे कि जब कानूनी टीम याचिका दाखिल कर चुकी थी, तो राहुल गांधी और खड़गे को सुप्रीम कोर्ट पहुंचने की आवश्यकता क्यों पड़ी।

सूत्रों के अनुसार, दोनों नेता याचिका पर हस्ताक्षर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। हस्ताक्षर करने के बाद राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे अदालत परिसर से बाहर निकल गए। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी भी उनके साथ मौजूद थे।याचिका में एसआईआर कराने के फैसले को अमान्य घोषित करने और इस प्रक्रिया में चुनाव आयोग की शक्तियों के कथित दुरुपयोग की कानूनी वैधता की जांच करने की मांग की गई है।

अभिषेक मनु सिंघवी ने बताया याचिका का उद्देश्य

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जा रही याचिका के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि याचिका में विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों पर लगाई गई पाबंदियों का मुद्दा भी उठाया गया है। सिंघवी के मुताबिक, यह विपक्षी दलों की संयुक्त कानूनी पहल है, जिसमें विभिन्न विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं।

दरअसल, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात के लिए पत्र लिखा था। इसके बाद याचिका दाखिल किए जाने को लेकर सवाल उठे कि जब कानूनी लड़ाई अदालत में ही लड़नी थी, तो मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात के लिए पत्र क्यों लिखा गया। आजतक से बातचीत में अभिषेक मनु सिंघवी ने इन सवालों का जवाब दिया।

जंतर-मंतर...

उन्होंने टिप्पणी की, उन्होंने जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की तय जगह के तौर पर हटा दिया है। हां, अब यह विरोध-प्रदर्शन की जगह नहीं रही, क्योंकि इसे युद्ध का मैदान बना दिया गया था। अब पूरा देश जंतर-मंतर बनेगा!

जंतर-मंतर देश में शोषित, वंचित और हाशिये पर रहने वाले वर्गों की आवाज उठाने का ऐतिहासिक स्थल रहा है। यहां आयोजित कई आंदोलनों ने राष्ट्रीय राजनीति और जनचर्चा को प्रभावित किया है। वर्ष 2012 में दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद निर्भया आंदोलन के दौरान यहां प्रदर्शन हुए। वर्ष 2015 के आसपास वन रैंक-वन पेंशन (ओआरओपी) आंदोलन, 2017 में तमिलनाडु के किसानों का प्रदर्शन और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) से जुड़े विरोध-प्रदर्शन भी इस स्थल से जुड़े रहे।

वर्ष 2021 में किसान आंदोलन के दौरान यहां किसान संसद आयोजित की गई थी। इसके अलावा, वर्ष 2023 में भारतीय कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर पहलवानों ने जंतर-मंतर पर लंबे समय तक धरना दिया था।जंतर-मंतर की प्रमुख विशेषता संसद भवन और केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण कार्यालयों से इसकी निकटता रही है। संसद भवन यहां से लगभग एक से दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। लुटियंस दिल्ली और सेंट्रल विस्टा क्षेत्र के निकट होने के कारण यह इलाका कई प्रमुख सरकारी संस्थानों से घिरा हुआ है।

यमन बन सकता...

शक्तिशाली विरोधियों को चुनौती देते रहे हैं। उनकी रणनीति के कारण क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री व्यापार पर दबाव बढ़ने की आशंका बनी रहती है।

मूल रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों ने सऊदी अरब की तेल आपूर्ति तथा निर्यात व्यवस्था को प्रभावित किया है। इसमें यह भी कहा गया है कि सितंबर की शुरुआत में जमीनी हमलों के जरिए हूतियों ने यमन के पूरे लाल सागर तट पर कब्जा कर लिया और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य की समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी और अरब सागर के समुद्री मार्गों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्ता है।

ट्रंप की भूमिका और अमेरिका की अपनी राजनीतिक चुनौतियां

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच रियाद की मदद करने से इनकार कर दिया है। अमेरिका की आंतरिक राजनीतिक परिस्थितियां भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बताई गई हैं। रिपोर्ट में ट्रंप की अनुमोदन रेटिंग 29 प्रतिशत होने और मध्यावधि चुनाव नजदीक आने का उल्लेख किया गया है।

ऐसे हालात में सऊदी अरब को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय सहयोगियों पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है। पाकिस्तान की सैन्य भागीदारी इसी व्यापक रणनीतिक परिस्थिति के संदर्भ में देखी जा रही है।

सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौतों के दायरे में पाकिस्तान

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के सामने सऊदी अरब की मदद करने की जिम्मेदारी होने की बात कही गई है। रिपोर्ट में दो रक्षा समझौतों का उल्लेख किया गया है। पहला, सितंबर 2025 में हुआ द्विपक्षीय रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता और दूसरा, इस वर्ष 7 अगस्त को हुआ कथित त्रिपक्षीय मक्का रक्षा समझौता, जिसमें तुर्किये भी शामिल बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे समझौते का एक प्रमुख प्रावधान यह है कि किसी एक सदस्य पर सशस्त्र हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा। यदि इस प्रावधान को संबंधित परिस्थितियों में लागू किया जाता है, तो सऊदी अरब पर हमला पाकिस्तान और तुर्किये की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं से जुड़ा मामला बन सकता है।

मूल सामग्री में दावा किया गया है कि 5 अक्टूबर को तुर्किये और पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिक तैनात करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 के समझौते के तहत पाकिस्तान का एक लड़ाकू विमान स्क्वाड्रन पहले से सऊदी अरब में मौजूद होने की बात कही गई है। 7 अक्टूबर को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के हवाले से यह दावा भी किया गया कि पाकिस्तानी वायु सेना ने हूती विद्रोहियों पर हमले किए हैं। इन सैन्य गतिविधियों की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

पाकिस्तान खुद कई मोर्चों पर संकट से घिरा

आसिम मुनीर के लिए चुनौती केवल सऊदी अरब की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान पिछले एक दशक से अधिक समय में गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में विद्रोही गतिविधियां जारी रहने, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नागरिक अशांति और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों के विरोध-प्रदर्शनों का रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है।

मूल सामग्री के अनुसार, 11 अक्टूबर को पाकिस्तान की संघीय सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय सरकार को निलंबित कर वहां आपातकाल लागू कर दिया। इस दावे की आधिकारिक पुष्टि भी आवश्यक है।

आर्थिक मोर्चे पर पाकिस्तान महंगाई, खाद्य पदार्थों और ईंधन की ऊंची कीमतों तथा विदेशी वित्तीय सहायता पर निर्भरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाली सहायता भी उसकी आर्थिक स्थिति के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में विदेश में लंबे समय तक सैनिकों की तैनाती पाकिस्तान के वित्तीय संसाधनों और सैन्य क्षमता पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है।

सऊदी अरब के विजन 2030 पर भी सुरक्षा संकट का असर

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की महत्वाकांक्षी योजना 'सऊदी विजन 2030' का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में विविधता लाना, सामाजिक बदलावों को बढ़ावा देना और तेल पर निर्भरता कम करना है। क्षेत्रीय संघर्ष और तेल निर्यात मार्गों पर खतरे इन योजनाओं के लिए चुनौती पैदा कर सकते हैं।

रिपोर्ट में आसिम मुनीर को पाकिस्तान के इतिहास के सबसे शक्तिशाली सैन्य अधिकारियों में से एक बताते हुए कहा गया है कि उनकी स्थिति और सैन्य प्रभाव उन्हें सऊदी अरब की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में रखते हैं। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान को स्वयं अपनी सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए बाहरी सहायता की जरूरत है।

अप्रैल 2026 में सऊदी अरब और कतर की ओर से पाकिस्तान को पांच अरब डॉलर की आर्थिक सहायता दिए जाने का उल्लेख भी रिपोर्ट में किया गया है। इस सहायता और रक्षा सहयोग के बीच संबंधों को लेकर सवाल उठते हैं कि क्या पाकिस्तान पर सऊदी अरब की सुरक्षा संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने का दबाव बढ़ सकता है।

2015 का अनुभव पाकिस्तान के लिए अहम चेतावनी

पाकिस्तान और सऊदी अरब के संबंध वर्ष 2015 में तनावपूर्ण हो गए थे, जब पाकिस्तान की संसद ने यमन संघर्ष में सैन्य हस्तक्षेप से दूर रहने का फैसला किया था। उस समय इस्लामाबाद ने तटस्थ रहने का रुख अपनाया था और संकेत दिया था कि वह अपने क्षेत्र या मक्का-मदीना के पवित्र स्थलों को खतरा होने की स्थिति में हस्तक्षेप कर सकता है।मूल रिपोर्ट के अनुसार, अब आसिम मुनीर के नेतृत्व में सऊदी अरब में अतिरिक्त सैनिक भेजने से संबंधित समझौता 8 अक्टूबर को बिना संसदीय मतदान के किया गया। हालांकि, सैनिकों की वास्तविक संख्या और तैनाती की प्रकृति सार्वजनिक नहीं होने की बात कही गई है।

यदि पाकिस्तान की सैन्य भागीदारी बढ़ती है, तो उसे ईरान के साथ अपने संबंधों को भी ध्यान में रखना होगा। ईरान हूती विद्रोहियों का प्रमुख समर्थक माना जाता है। इसलिए सऊदी अरब की मदद के लिए उठाया गया कोई सैन्य कदम पाकिस्तान और ईरान के संबंधों में तनाव बढ़ा सकता है।

ईरान और हूतियों की चेतावनी से बढ़ी चिंता

रिपोर्ट में कहा गया है कि 4 अक्टूबर को ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने पाकिस्तान की सेना की तैनाती से जुड़ी खबरों के सही न होने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि किसी भी नए सैन्य हस्तक्षेप से हालात और जटिल हो सकते हैं।इसी तरह, 11 अक्टूबर की अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, हूती विद्रोहियों ने चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान सऊदी अरब की ओर से उनके खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है, तो पाकिस्तान के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाएगा जैसा सऊदी अरब के साथ किया जा रहा है।मूल रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सैद्धांतिक रूप से हूती लगभग 2,000 किलोमीटर की मारक दूरी वाली फिलिस्तीन-2 बैलिस्टिक मिसाइल और लगभग 2,500 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाले शहीद-136 प्रकार के आत्मघाती ड्रोन के जरिए पाकिस्तान को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अरब सागर और फारस की खाड़ी में पाकिस्तानी व्यापारिक जहाज भी संभावित जोखिमों का सामना कर सकते हैं। इन हथियारों की वास्तविक क्षमता और पाकिस्तान तक पहुंचने की संभावना का स्वतंत्र तकनीकी सत्यापन आवश्यक है।

छह राज्यों ...

डॉ. सुधा यादव होंगी कर्नाटक की राज्यपाल: महेंद्रगढ़ से भाजपा की पूर्व सांसद और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल बनाया गया है। मूल जानकारी के अनुसार, वह थावरचंद गहलोत का स्थान लेंगी, जिनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है। उन्हें कर्नाटक की दूसरी महिला राज्यपाल बताया गया है। डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का दायित्व: मध्य प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) का स्थान लेंगे।दुष्यंत गौतम बने सिक्किम के नए राज्यपाल: भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद दुष्यंत गौतम को सिक्किम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह ओम प्रकाश माथुर का स्थान लेंगे, जिन्हें केरल भेजा गया है।छह राज्यों में राज्यपालों की इन नियुक्तियों को राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले इन बदलावों को भाजपा के संगठनात्मक अनुभव, जातीय प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय समीकरणों के संदर्भ में देखा जा रहा है।विशेष रूप से तमिलनाडु और केरल जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में अनुभवी भाजपा नेताओं को राज्यपाल की जिम्मेदारी दिए जाने पर ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, इन नियुक्तियों के पीछे सरकार का आधिकारिक उद्देश्य राष्ट्रपति भवन के बयान में विस्तार से नहीं बताया गया है।

इन बदलावों के बाद छह राज्यों के राजभवनों में नेतृत्व परिवर्तन होगा। संबंधित राज्यपालों के पदभार ग्रहण करने के साथ ही नई नियुक्तियां प्रभावी होंगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 13 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने धूमधाम से मनाया महाराजा अग्रसेनजी का 5150वां जयंती महोत्सव

हेमा मालिनी की मां दुर्गा पर आधारित नृत्य नाटिका ने मोहा मन, नौ दिवसीय डांडिया उत्सव का शुभारंभ

समाज की सदस्यता 8 हजार से बढ़कर 25 हजार हुई, एक हजार बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेनजी का 5150वां जयंती महोत्सव बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। समारोह में प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं नृत्यांगना हेमा मालिनी द्वारा मां दुर्गा की शक्ति पर आधारित प्रस्तुत नृत्य नाटिका ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेनजी के आदर्शों, सामाजिक एकता, सेवा, शिक्षा और युवा सशक्तीकरण का संदेश दिया गया।

जुबली हिल्स स्थित रोड नंबर 92 पर महाराजा अग्रसेन धाम के उद्घाटन तथा महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ जयंती महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात जयंती का मुख्य समारोह और नौ दिवसीय उत्सव शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन सेंटर-3 में आरंभ हुआ। पूजन एवं आरती आचार्य वेदमूर्ति पंडित विशेष शर्मा के आचार्यत्व में संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन डोनियर ग्रुप के कार्यकारी निदेशक अजय अग्रवाल ने किया।

समारोह में विशेष आमंत्रित अतिथि जीएसटी सिकंदराबाद क्षेत्राधिकार के आयुक्त राकेश गोयल, मुख्य परामर्शदाता एवं पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी, तेलंगाना वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विनोद अग्रवाल, अभिनेता मुकेश खन्ना, समाजसेवी एवं शिक्षाविद राजेश गोयल तथा उद्यमी एवं समाजसेवी सुरेश कुमार अग्रवाल (सीएसके) का समाज के पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

महाराजा अग्रसेनजी की भूमिका निभा रहे सुरेन्द्र पाल सिंह ने दिया प्रेरणादायी संदेश

कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेनजी की भूमिका निभा रहे सुरेन्द्र पाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा, बेवजह दिल पर बोझा न भारी रखिए। जिंदगी खूबसूरत जंग है, इसे जारी रखें। समाज से जुड़े रहेंगे तो शेर भी घबराएगा और टूट गए तो गीदड़ भी धमकाएगा। उन्होंने कहा कि कहानियां जीवन में प्रेरणा देती हैं। हमें केवल सलाह नहीं, बल्कि समाज का साथ चाहिए।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने टेलीविजन पर अनेक भगवानों के पात्र निभाए हैं, लेकिन आज महाराजा अग्रसेनजी का चोला धारण करने के बाद उनके शरीर में इतनी ऊर्जा का संचार हुआ, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। बड़े-बड़े पात्रों को फिल्मों में निभाते समय कलाकार को कहीं न कहीं से ऐसी शक्ति का अनुभव होता है, जो उससे कार्य करवाती है और बाद में वह शक्ति शरीर से चली जाती है। उन्होंने कहा कि आज भी वही ऊर्जा महसूस करते हुए वे समाजबंधुओं के बीच आए हैं और उन्हें ऐसा लग रहा है, मानो वे अपने ही समाज के बीच बैठे हों।

अनिरुद्ध गुप्ता ने गिनाईं समाज की उपलब्धियां, सदस्यता 25 हजार तक पहुंची

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष अग्रसेन जयंती अत्यंत भव्यता के साथ मनाई गई थी। उस अवसर पर आयोजित कवि कुमार विश्वास के कार्यक्रम को सभी ने सराहा था। उन्होंने कहा कि समाज का उद्देश्य केवल अच्छे कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि इनके माध्यम से लोगों में सकारात्मकता बढ़ाना भी है। इसी दिशा में समाज ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

उन्होंने बताया कि समाज की सदस्यता 8 हजार से बढ़कर 25 हजार तक पहुंच गई है, जो समाजबंधुओं के विश्वास का प्रमाण है। परिवार बड़ा होने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। वर्तमान में 300 से अधिक अस्पतालों एवं रोग निदान केंद्रों में समाजबंधुओं को छूट की सुविधा मिल रही है, ताकि सदस्यता का लाभ सभी को प्राप्त हो सके।उन्होंने बताया कि समाज के एक हजार बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। बच्चे समाज का भविष्य हैं और उन्हें प्रोत्साहित करना समाज की प्राथमिकताओं में शामिल है। समाज की ओर से रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर, जनसेवा, राशन किट वितरण तथा जरूरतमंद परिवारों की सहायता जैसे अनेक सेवा कार्य किए जा रहे हैं। अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा कि समाज की वास्तविक ताकत इस बात में है कि जरूरत के समय उसके सदस्य एक-दूसरे के कितने काम आते हैं। इसी सोच के साथ समाज ने व्यापार एवं रोजगार के लिए संपर्क नेटवर्क विकसित किया है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें उद्यमी बनने के लिए भी प्रेरित किया जाना चाहिए, ताकि वे स्वयं व्यवसाय स्थापित कर दस-बीस अन्य लोगों को रोजगार देने में सक्षम बन सकें।

धार्मिक यात्राओं से लेकर शिक्षा और रोजगार तक, समाज की व्यापक पहल

अध्यक्ष ने बताया कि समाज द्वारा आयोजित श्री जगन्नाथजी एवं श्रीशैलम की यात्राओं का समाजबंधुओं ने लाभ उठाया। युवाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उद्यमियों के साथ चर्चा एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए, ताकि उन्हें व्यवसाय और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष अग्रसेन जयंती को एक दिन तक सीमित न रखकर नौ दिवसीय आयोजन के रूप में मनाया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक समाजबंधुओं को कार्यक्रमों से जुड़ने का अवसर मिल सके।समाज की दीर्घकालीन योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि पुरानापुल स्थित श्मशान वाटिका को आधुनिक सुविधाओं से युक्त रूप में विकसित करना प्रस्तावित है। इसके साथ ही बच्चों को कम लागत में आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने तथा भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से एक विद्यालय स्थापित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखना आवश्यक है और इन योजनाओं को सफल बनाने के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है।

अनिरुद्ध गुप्ता ने कार्यक्रम को भव्य बनाने में योगदान देने वाले समाज के पदाधिकारियों, सहयोगियों, दानदाताओं, विभिन्न शाखाओं तथा जयंती आयोजन में सहयोग करने वाले चिमनलाल, सुरेश कुमार सहित सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज की मानद मंत्री एवं महिला उत्सव की संयोजिका डॉ. सीमा जैन ने समाज की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अग्रवाल समाज में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले व्यक्तियों को 'अग्ररत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में पूर्व सांसद डॉ. गिरीश संघी, मुकुन्दलाल अग्रवाल, रविन्द्र गुप्ता, राधेश्याम गुप्ता, जोगीराम अग्रवाल, कृष्ण कुमार सौंथलिया, किशन अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, राजेश गोयल, गोविन्द दोचानिया, रमेश अग्रवाल, संजय संघी, अशोकचंद, मोहनलाल तथा रामप्रसाद बंसल शामिल थे।कार्यक्रम का संचालन नैनी शाह ने किया। इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल, सुभाष अग्रवाल, नरेश चौधरी, दुर्गाप्रसाद नरेठा, आर.एन. गुप्ता सहित समाज की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे।

हेमा मालिनी की नृत्य नाटिका बनी प्रमुख आकर्षण

समारोह का प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी की मां दुर्गा की शक्ति पर आधारित नृत्य नाटिका रही। उनकी प्रभावशाली प्रस्तुति को उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से सराहा।

कार्यक्रम के अंत में आयोजित भोज का सभी समाजबंधुओं ने आनंद लिया।

आयोजन में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविन्द प्रसाद अग्रवाल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, सह-मंत्री प्रतीक कुमार नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, डांडिया संयोजक प्रवीण अग्रवाल, सह-संयोजक हर्ष सौंथलिया, मीडिया समिति के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, डॉ. दिलीप पंसारी, सलाहकार मंच के बद्रीविशाल बंसल, विनोद अग्रवाल, हरीश गुप्ता, सुरेश अग्रवाल (दिल्लीवाले), डॉ. गोपाल मोर, रितेश अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, राजेश नरेड़ी तथा संदीप पटवारी सहित अग्रवाल समाज की विभिन्न शाखाओं ने सहयोग प्रदान किया।

विश्व मंगल गौशाला में पितृ अमावस्या पर गौसेवा, भजन-कीर्तन और प्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेडचल के सोमारम गांव स्थित विश्व मंगल गौशाला में पितृपक्ष की अमावस्या के अवसर पर गौसेवा, भजन-कीर्तन एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौभक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और दान-पुण्य के माध्यम से गौसेवा में अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम में विशाल भाई श्रीमाली, गणपत राम सुथार, अंजलि सिरवी, रमेश प्रजापत और विकास ओझा ने सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों से गौशाला का वातावरण भक्तिमय हो गया और उपस्थित गौभक्तों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता निभाई।

भोजन प्रसादी के लाभार्थियों में हरिराम बर्फा और मांगीलाल बर्फा शामिल रहे। हरे घास की सेवा में सुरेंद्र जांगिड़, राजेंद्र जांगिड़, नारायण लाल सीरवी, भंवरलाल जांगिड़, कैलाश चंद, अनूपाराम, रामस्वरूप जांगिड़, गोपाल दासजी अग्रवाल और रामचंद्र सुथार ने योगदान दिया।

गौशाला के लिए भूमि दान में ओमप्रकाश जवाहर, रतनलाल देवासी (महादेव प्लाईवुड एंड डोर), प्रकाश परिहार और शेषाराम सिरवी ने भागीदारी निभाई। समाज के अनेक गौभक्त भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मोहनलाल, राजेश, डूंगाराम, ताराराम, ओगड़राम, सुनील, हरिराम, पुनाराम, मांगीलाल, दानजी, दयाराम, अमराराम, जबराराम, भंवरलाल, बाबा रामदेव मित्र मंडल के गज्जू भाई कुलरिया, महेंद्र सिंह सिरवी, किशोर, दर्शन अग्रवाल, जगदीश माली, सुखराम, जोगाराम और सुनील शर्मा सहित अन्य गौभक्त उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में शांतिलाल सुथार, टीवी सुरेश, उदय भास्कर और धर्माराम ने सहयोग देने वाले सभी गौभक्तों एवं दानदाताओं के प्रति धन्यवाद प्रकट किया।

जीडिमेटला के श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिन घट स्थापना, पूजा-अर्चना एवं हवन-यज्ञ के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर समाजबंधुओं ने श्रद्धापूर्वक भाग लेकर मां आईमाताजी की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर 'एक शाम श्री आईमाताजी के नाम' जागरण का आयोजन किया गया। इसमें भजन गायक प्रहलाद सिंह सारण, टोकरला (खिंवाड़ा), एंड पार्टी एवं उनके साथियों ने राजस्थानी भक्ति गीत प्रस्तुत किए। भजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया और उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कार्यक्रम में देवाराम बर्फा, दुर्गाराम मुलेवा, मुलाराम पंवार, मोहनलाल काग, सुनील बर्फा, वेनाराम बर्फा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, भुण्डाराम बर्फा, उदाराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, पंडित बलराम पाठक, अनुपम पांडे सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंदिर के संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, जयराम परिहार, अन्नाराम काग, चन्द्रप्रकाश बर्फा, कानाराम बर्फा, मोहनलाल, मुलाराम पंवार, केनाराम मुलेवा, राजुराम लचेटा, कार्यकारिणी सदस्य एवं समाजबंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में महाआरती की गई। इसके पश्चात सचिव प्रेम पंवार ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं, सहयोगकर्ताओं एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट1अलमासगुड़ा वडेर में श्रद्धा और भक्ति के साथ नवरात्रि महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट0अलमासगुड़ा वडेर के प्रांगण में सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को विक्रम संवत 2083 के नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर आसोज सुदी बीज का धार्मिक कार्यक्रम हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्ति भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आज के लाभार्थी मनाराम हंसाराम आगलेचा परिवार के सभी सदस्यों, समाज के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों तथा समाज के भाई-बहनों ने गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए श्री आईमाताजी के दरबार में अपनी श्रद्धा अर्पित की। माताजी को भोग लगाने के बाद माताओं एवं बहनों ने सुंदर भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए, जिससे संपूर्ण वडेर परिसर भक्तिमय हो उठा।इस पावन अवसर पर समाज की ओर से लाभार्थी आगलेचा परिवार का माला एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज की माताओं-बहनों सहित बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।समाज की ओर से उपस्थित सभी समाजबंधुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई। पूरे आयोजन में आपसी प्रेम, सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और भाईचारे का सुंदर संदेश देखने को मिला।इस अवसर पर सीरवी समाज ट्रस्ट की ओर से आज के भामाशाह एवं लाभार्थी आगलेचा परिवार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। समाज की ओर से माता रानी से परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की गई।

कार्यक्रम में सीरवी समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष भारमल वरफा, सचिव लालाराम हाम्बड़, समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

घट स्थापना एवं दीप प्रज्वलन के साथ 54वें रामायण मेले का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 54वें रामायण मेले का शुभारंभ घट स्थापना एवं दीप प्रज्वलन के साथ धार्मिक वातावरण में हुआ। इस अवसर पर मेला प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी, अतिथि जसमत भाई पटेल तथा प्रदर्शनी समिति के उपाध्यक्ष पी. नरोत्तम रेड्डी ने राम दरबार की पूजा-अर्चना की।

स्थापित माता की प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर आरती भी की गई।

कार्यक्रम में मेला प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी, प्रदर्शनी समिति के उपाध्यक्ष पी. नरोत्तम रेड्डी, कोषाध्यक्ष नेवताला विनय कुमार तथा अतिथि जसमत भाई पटेल ने दीप प्रज्वलित कर घट स्थापना कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया।

मेला संयोजक गोविंद नारायण राठी ने अतिथि जसमत भाई पटेल का शॉल ओढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान किया। इसके साथ ही प्रदर्शनी समिति के उपाध्यक्ष पी. नरोत्तम रेड्डी, कोषाध्यक्ष नेवताला विनय कुमार, वनम सत्येंद्र, दिलीप रेड्डी, विनय कुमार, रघुनंदन यादव, लाल सिंह तथा डॉ. मोहन गुप्ता सहित अन्य का भी शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर गिरधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, कलावती जाजू, प्रेमलता कांकाणी, शकुंतला नावंदर, रमेश कुमार बंग, नंद गोपाल भट्टड, सुमित राठी, पवन मिश्रा, रमेश चंद्र व्यास, जुगल सोनी, लक्ष्मीकांत पांडे, सुरेखा सारडा, श्यामलता नवानदार, अर्चना अटल, रूबी मिश्रा, सविता सोनी, संगीता भूतड़ा, कमला राठी, नंद गोपाल भट्टड सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिकंदराबाद में नवरात्रि आध्यात्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ

शक्ति जागरण का समय है नवरात्रि: मुनि दीप कुमारजी

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद की डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में रविवार को युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सानिध्य में नवरात्रि आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं विशेष प्रवचनमाला का शुभारंभ हुआ। नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्राराधना, साधना और प्रेरणादायी प्रवचनों के माध्यम से आत्मशक्ति के जागरण तथा जीवन को मंगलमय बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुनिश्री ने आचार्यप्रवर द्वारा निर्धारित आध्यात्मिक अनुष्ठान का प्रयोग करवाया। मंत्रों की पवित्र ध्वनियों से तेरापंथ भवन का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा। श्रद्धालुओं ने अनुष्ठान में भाग लेकर आध्यात्मिक साधना का लाभ प्राप्त किया।

नवरात्रि पर विशेष प्रवचन करते हुए मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि नवरात्रि शक्ति जागरण का महत्वपूर्ण समय है। यह केवल बाहरी उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अपनी सुप्त आध्यात्मिक शक्तियों को पहचानने, उन्हें जागृत करने और जीवन को सकारात्मक दिशा देने का भी समय है।मुनिश्री ने कहा कि नवरात्रि की इस विशेष अवधि में मंत्राराधना और साधना का विशेष महत्व है। मंत्र साधना व्यक्ति के मन को एकाग्र करने, आत्मविश्वास को सुदृढ़ बनाने तथा कठिन परिस्थितियों का सामना करने की आंतरिक क्षमता विकसित करने में सहायक हो सकती है। जीवन में अनेक बार विघ्न-बाधाएं आती हैं। ऐसे समय में आध्यात्मिक चेतना, धैर्य, विवेक और दृढ़ संकल्प व्यक्ति को परिस्थितियों से उबरने की प्रेरणा देते हैं।

शक्ति साधना के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शक्ति का उपयोग अच्छे कार्यों के लिए भी किया जा सकता है और दूसरों का अनिष्ट करने के लिए भी। इसलिए आवश्यक है कि शक्ति का उपयोग सदैव सत्कार्यों, आत्मकल्याण और जनकल्याण के लिए किया जाए। शक्ति के साथ सद्बुद्धि, विवेक और मंगल भावना का होना भी जरूरी है। शक्ति तभी सार्थक बनती है, जब उसका उपयोग किसी के अहित के लिए नहीं, बल्कि जीवन में शुभता बढ़ाने के लिए किया जाए।

उन्होंने कहा कि सच्ची समृद्धि वह है, जिसमें व्यक्ति के जीवन में सद्विचारों का वैभव, भावनाओं की निर्मलता, आत्मविश्वास और मंगल दृष्टिकोण हो। नवरात्रि की साधना के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में ऐसी आध्यात्मिक संपदा विकसित करने का संकल्प ले सकता है।

नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस विशेष आध्यात्मिक आयोजन की जानकारी देते हुए मुनिश्री दीप कुमारजी ने बताया कि 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 9:15 बजे से 10:15 बजे तक आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं नौ मंगल भावनाओं पर विशेष प्रवचन आयोजित किए जाएंगे। इस प्रवचनमाला के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना, आत्मचिंतन और जीवन में मंगल भावनाओं को अपनाने की प्रेरणा दी जाएगी।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के राष्ट्रीय चरण में 66 विद्यार्थियों ने भाग लिया

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी द्वारा आयोजित अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट02026 के राष्ट्रीय चरण में चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों एवं नेपाल से चयनित 66 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक एवं सहयोगी ऑनलाइन जुड़े। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप दुगड़ ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। उपाध्यक्ष एवं प्रतियोगिता पर्यवेक्षक डॉ. कुसुम लूनिया ने रचनात्मक गतिविधियों को व्यक्तित्व विकास का महत्व-पूर्ण माध्यम बताया। राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और निरंतर निखारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सह-संयोजिका साधना कोठारी ने किया तथा तकनीकी संचालन में ऋषभ बरडिया का सहयोग रहा। राष्ट्रीय स्तर के परिणाम जैन विश्व भारती, लाडनूं (राजस्थान) में आयोजित कार्यक्रम में घोषित किए जाएंगे। चयनित चित्रकलाओं को भी वहां प्रदर्शित किया जाएगा।

मलकपेट सेंट्रल शाखा ने मनाई महाराजा अग्रसेनजी की जयंती

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट सेंट्रल शाखा की ओर से पितृपक्ष अमावस्या के अवसर पर गौसेवा की गई तथा महाराजा अग्रसेनजी की जयंती श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाई गई।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि पितृपक्ष अमावस्या के उपलक्ष्य में पंचमुखी हनुमान मंदिर, सुपर मार्केट के समीप, मलकपेट में शाखा के सदस्यों ने गौमाता को सब्जियां एवं हरा चारा खिलाकर गौसेवा की।

महाराजा श्री अग्रसेनजी की जयंती के अवसर पर शाखा संस्थापक राजकुमार गुप्ता के निवास स्थान पर सदस्यों ने महाराजा अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर शाखा संस्थापक राजकुमार गुप्ता, परामर्शदाता पुरुषोत्तम दास गोयल एवं खेमचंद अग्रवाल, अध्यक्ष करण गोयल, रूपा गुप्ता, संगीता भागेरिया, सुभाष अग्रवाल, अमित अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अग्रवाल राजू जैन, उमेश गुप्ता, मुकेश चौधरी, पुष्करमल अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सक्षम गोयल और अनाया गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा ने किया अन्नप्रसादम का आयोजन

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा, महिला शाखा एवं युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में मलकपेट गंज स्थित अग्रसेन हॉल में मासिक अन्नप्रसादम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 600 लोगों ने अन्नप्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य गोविंद मोदी एवं हरीश चंद्र बजाज तथा सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल, लाजपत राय गुप्ता और गोपाल मोदी सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण के साथ राधे-राधे ग्रुप का अन्नसेवा अभियान जारी

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवाभाव के साथ जरूरतमंदों को अन्न वितरित कर मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नसेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संस्कारों की भावना को मजबूत करना भी है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से सेवा कार्यों के माध्यम से यह संदेश दे रहे हैं कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची मानवता है। निस्वार्थ भाव से किया गया सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता, आत्मीयता और परस्पर सहयोग की भावना को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, भंवरलालजी गुप्ता एवं संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति से यथाशक्ति सेवा कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया।ग्रुप का मूल मंत्र सेवा, समर्पण और सहयोग है। राधे-राधे ग्रुप का मानना है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है और समाज के जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही सेवा की सबसे बड़ी सार्थकता है।

अंतर्राष्ट्रीय वास्तु विशेषज्ञ सूर्यप्रकाशजी उपाध्याय का सिखवाल समाज ने किया सम्मान

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऋषि शृंग भवन में सिखवाल समाज के विश्वविख्यात अंतर्राष्ट्रीय वास्तु विशेषज्ञ श्री सूर्यप्रकाशजी उपाध्याय के नगर आगमन पर सिखवाल समाज की ओर से उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर चौधरी श्यामसुंदर उपाध्याय ने उन्हें साफा एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया।सिखवाल प्रगति समाज की ओर से रामदेव नागला, सुरेश कुमार व्यास जानम, चंद्रभान व्यास और सुरेश कुमार उपाध्याय ने शॉल एवं माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं, सिखवाल समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय की ओर से संदीप जायलवाल ने साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर घनश्याम व्यास, चंद्रप्रकाश उपाध्याय, विनोद कुमार नागला, राजेश व्यास अंकल, राधेश्याम उपाध्याय, घनश्याम तिवाड़ी, सीताराम व्यास, नरेश नागला, गोपाल उपाध्याय बड़ीवाल, पुरुष-ेत्तम व्यास, सुनील तिवाड़ी, विजय कुमार तिवाड़ी, राकेश उपाध्याय, आनंद उपाध्याय और नरेश उपाध्याय सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा की भावना से मजबूत होता है समाज का रिश्ता : अनिल अग्रवाल धरसुवाले

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंदों की सेवा करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दो-हराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल धरशुवाले ने कहा कि सेवा की भावना ही मनुष्य को दूसरों के सुख-दुख से जोड़ती है। सच्ची सेवा वही है, जिसमें किसी प्रकार के स्वार्थ या दिखावे की भावना न हो, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता करने का संकल्प हो। उन्होंने कहा कि अन्नसेवा केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति संवेदनशीलता, करुणा और समर्पण का प्रतीक है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को सहारा मिल सके और समाज में परस्पर सहयोग की भावना मजबूत हो।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद सेवा को ही ईश्वर की सच्ची आराधना मानकर निरंतर जनसेवा के कार्यों में जुटा हुआ है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को भी संस्कार, संवेदना और परोपकार की प्रेरणा देते हैं।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, दीपचंद अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं योग प्रशिक्षक राजेश सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.